डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 169 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 05 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रूपया

दुर्घटना में घायल बुजुर्ग की मौत

नीमच, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शहर के बघाना थाना क्षेत्र में शुक्रवार को 70 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। क्रेन की टक्कर से वह घायल हो गए थे। जिसके बाद 10 दिनों तक उनका उपचार चला। लेकिन, शुक्रवार को उनकी मौत हो गई।

दुर्घटना 26 मार्च की शाम 5 बजे हवाई पट्टी रोड के धानुका फैक्ट्री के सामने हुई थी। धामनिया निवासी नानूराम पिता उदयराम धनगर साइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार हाइड्रा क्रेन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनका पैर क्रेन ने बुरी तरह कुचल दिया। साइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल बुजुर्ग को तुरंत एंबुलेंस से बड़े अस्पताल लाया गया था। वहां से उन्हें कनावटी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां 10 दिन तक चले उपचार के बाद शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। शुक्रवार दोपहर को बड़े अस्पताल में परिजनों की मौजूदगी में मृतक का पोस्टमार्टम किया गया। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बजट में दिखाते हथेली पर चांद..!

पिछले बजट के काम ही धरातल पर नहीं उतरे

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका ने एक बार फिर विगत दिनों हुए बजट में बड़ी-बड़ी योजनाएं सामने रखी। लेकिन, हकीकत यह है कि बजट की अधिकांश योजनाएं हथेली पर चांद दिखाने के समान है। इसका उदाहरण है पिछले साल पेश किया गया बजट। पिछले सालों के बजट को देखे तो जितने भी मुद्दे इसमें शामिल किए गए, उनमें से आधों पर भी कागजी प्रक्रिया तक शुरू नहीं की गई। जिन पर प्रक्रिया शुरू हुई वह प्रोजेक्ट भी तकनीकि कारणों से अधर में लटक गए। इसी कारण ना तो चौराहों का सौंदर्यीकरण हुआ और ना ही अवैध कॉलोनियों में विकास पहुंचा। पिकनिक स्थल से लेकर तैलिया तालाब पर भी कोई काम नहीं हुआ तो सोलर के लिए कागजी प्रक्रियाओं का दौर भी शुरू नहीं हुआ। बजट पारित कर नपा अपने खाली खजाने को लेकर ही सालभर जूझती रही। इसी फेर में नए कामों को गति नहीं मिली। पिछले दो सालों के बजट के यहीं हाल है और हर बार सीवरेज से लेकर कॉलोनी सहित उन्हीं मुद्दों को शामिल किया जाता है। लेकिन, उन पर काम नहीं हो रहा है।

वर्ष 2023 के बजट में यह मुद्दे थे शामिल...

वर्ष 2023 के बजट में 10 मेगावाट सोलर विद्युत उत्पादन केंद्र से लेकर प्रवेश मार्गों पर स्वागत द्वार के अलावा 164 करोड़ की सीवरेज प्रोजेक्ट के साथ संजय गांधी उद्यान में बहुउद्देशीय सामुदायिक भवन निर्माण के साथ कायाकल्प अभियान में सड़को को सुधारने के साथ चौराहा सौंदर्यीकरण सहित अन्य मुद्दे थे। इन पर काम नहीं हुआ और वर्ष 2024 के बजट में भी इन्हीं मुद्दों को शामिल किया गया। जिन पर इस साल भी नपा कोई काम नहीं कर पाई।

पिछले साल बजट में शामिल कई काम अधूरे...

✲ अवैध कॉलोनियों में नवीन विकास कार्यों के लिए बजट में 10 करोड़ का प्रावधान किया था। लेकिन, राशि के अभाव में कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाओं से जुड़े काम नहीं किए गए।

✲ तेलिया तालाब में पर्यटन को बढ़ावा देने व सौंदर्यीकरण के लिए ढाई करोड़ का प्रावधान किया था। तालाब के लिए अमृत-2 में पौने दो करोड़ का प्रोजेक्ट बना और टेंडर निकला। लेकिन, यह विवादों में उलझा तो काम शुरू होने के पहले ही मामला अधर में लटक गया।

✲ सिंहस्थ योजना में शहर में कई कामों के लिए 31 करोड़ 40 लाख का प्रावधान किया था। नपा ने सिंहस्थ मद में लिए कामों की डीपीआर बनाने के लिए कंसल्टेंट नियुक्त किया। इसके आगे कुछ नहीं हुआ।

✲ स्वच्छता गतिविधियों के प्रोत्साहन एवं नवीन शौचालय एवं मुत्रालय के निर्माण के लिए 1 करोड़ 10 लाख का प्रावधान किया था। शहर में कई जगहों पर इनका निर्माण चल रहा है।

✲ नगर की सड़को के डामरीकण एवं कायाकल्प अभियान में 09 करोड़ की राशि रखी। कायाकल्प का काम अब भी पूरा नहीं हुआ है तो सड़को के भूमिपूजन के काम अब हो रहे है।

✲ सीवरेज के लिए 164 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया था। लेकिन, अमृत-2 में 150 करोड़ की सीवरेज की संशोधित डीपीआर तैयार की है, जिसे भोपाल से मंजूरी का इंतजार है।

✲ नगरपालिका के ट्रेचिंग ग्राउंड पर लेगिसी वेस्ट मेनेजमेंट एवं नवीन कचरा उपचार के लिए 09 करोड़ का

प्रावधान। साढ़े तीन करोड़ का लेगिसी वेस्ट पर काम चल रहा है। इसके अलावा कचरा उपचार पर काम शुरू नहीं किया गया है।

✲ हुडकों के मद से संजय गांधी उद्यान में बहुउद्देश्यीय सामुदायिक भवन के निर्माण एवं संजय गांधी उद्यान के कायाकल्प के लिए प्रावधान किया था। लेकिन, नीतिगत प्रक्रिया के कारण मामला अधर में लटक गया और दो साल बाद भी इस पर काम शुरू नहीं हो पाया है।

✲ नगर के चौराहों के सौंदर्यीकरण एवं नए चौराहों के निर्माण का प्रावधान किया था। लेकिन, इनमें से कोई भी काम शहर में नहीं हो पाया है।

✲ नवीन फायर बिग्रेड स्टेशन के निर्माण के लिए 50 लाख का प्रावधान किया था। यह भी नहीं हो पाया है।

✲ शहर में प्रवेश मार्गों पर स्वागत द्वार निर्माण के लिए 60 लाख का प्रावधान किया। लेकिन, एक भी जगह पर स्वागत द्वार नहीं लगाए गए है।

✲ नए पिकनिक स्पॉट निर्माण के लिए 50 लाख का प्रावधान किया था। कालाभाटा पर जमीन मिली, लेकिन विवादों में उलझी तो मामला ही आगे नहीं बढ पाया।

✲ 10 मेगावाट के सोलर विद्युत उत्पादन केंद्र की स्थापना के लिए 1 करोड़ का प्रावधान किया था। लेकिन, सालभर में इसकी कागजी प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पाई।

कंटेनर से मिला साढ़े सात क्विंटल डोडाचूरा, पुलिस को देख आरोपी भाग निकला ..!

दो थानों की कार्यवाही में एमडी और डोडाचूरा जप्त, दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। यशोधर्मन नगर और भावगढ़ थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की दो अलग-अलग कार्रवाई की। जिसमें वायडी नगर पुलिस ने एक कंटेनर से 07 क्विंटल से ज्यादा डोडाचूरा जब्त किया। वहीं भावगढ़ पुलिस ने करीब 06.50 लाख की एमडी पकड़ी। एनडीपीएस के इस मामले में खास बात यह रही कि भावगढ़ पुलिस ने तो बाइक सवार तस्करों को पकड़ लिया। लेकिन, वायडी नगर पुलिस को खड़ा देखकर कंटेनर चालक अपना वाहन छोड़कर भाग निकला! हालांकि दबिश प्रशिक्षण प्राप्त पुलिस वालों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से दी गई थी। यहां सवाल यह उठता है कि कुछ मीटर दूरी से कंटेनर चालक ने पुलिस को देखा होगा। इसके बाद चालक उतरकर भाग निकला? मजे की बात यह है कि कंटेनर से उतरकर चालक पैदल ही भागा होगा। यहां कुछ मीटर पुलिस अपने वाहन से चलकर तस्कर को नहीं पकड़ पाई ! खैर, यह पहला मामला नहीं है कि तस्कर पुलिस को देखकर भाग गया हो। कभी अंधेरे का तो कभी झाड़ियों का फायदा तस्करों को कई बार मिल जाता है।

चौकी प्रभारी के नेतृत्व में की थी नाकाबंदी...

वायडी नगर पुलिस ने बताया कि 03 अप्रैल को मुल्तानपुरा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय को तस्करी की सूचना मिली। इसके बाद टीम गठित कर कपिल सौराष्ट्रीय मौके पर पहुंचे। मुल्तानपुरा फंटे पर फोर्स के साथ पहुंचे एसआई सौराष्ट्रीय और पुलिस टीम को एक छह चक्के वाला कंटेनर नजर आया। कंटेनर चालक ने पुलिस को देख लिया। इसके बाद वह फरार हो गया। बाद में पुलिस कंटेनर के पास पहुंची। कंटेनर की तलाशी ली तो उसमें 37 कट्टे मे भरे अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा कुल 07 क्विंटल 40 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा किमती 14 लाख 80 हजार रुपये का भरा मिला। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15, 29 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

भावगढ़ पुलिस ने पकड़े बाइक सवार...

एक अन्य कार्रवाई में भावगढ़ पुलिस ने बताया कि वाहन चैकिंग के दौरान निंबोद-बेहपुर रोड के पास चांदाखेड़ी फंटा पर एक बिना नंबर की अपाचे बाइक आती नजर आई। जिसे रोककर बाइक सवार दो युवको की तलाशी ली। जिसमें इनके पास 66.60 ग्राम एमडी पावडर किमती 6 लाख 50 हजार रूपए मिला। उनके कब्जे से दो मोबाईल फोन किमती करीबन 22 हजार रूपये व अवैध मादक पदार्थ तस्करी के उपयोग में लाई जा रही एक बिना नंबर की सफेद रंग की लाल पट्टे वाली टीवीएस अपाचे मोटर सायकल को भी जब्त किया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में एक आरोपी ने अपना नाम फयाज पिता फारूख खान पठान जाति मुसलमान उम्र 20 वर्ष निवासी कोटडी जिला प्रतापगढ राजस्थान बताया है। वहीं दूसरे नाबालिग आरोपी से भी पूछताछ जारी है।

उर्दू के शब्दों से नहीं छूट रहा पुलिस का मोह

फिर से निर्देश जारी, इन आठ शब्दों का नहीं होगा प्रयोग

भोपाल, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश पुलिस का सालों पुराना उर्दू और फारसी शब्दों का मोह नहीं छूट पा रहा है। जबकि, इन शब्दों का उपयोग नहीं करने को लेकर पीएचक्यू से कई बार दिशा-निर्देश भी जारी किए जा चुके है। फिर भी पुलिस मशरूका, दीगर और अलामत जैसे शब्दों का प्रयोग कर रही है। अभी भी उर्दू और फारसी के शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है। जबकि, उर्दू और फारसी के करीब 675 से ज्यादा शब्द चिंन्हित कर उनका हिंदी अनुवाद तैयार करवाया गया। जिसकी बकायदा पीएचक्यू ने डिक्शनरी तैयार करवाई है।

समझ से परे थे ये शब्द...

पुलिस कार्रवाई में उपयोग आने वाले आलामात, दीगर, मशरूका जैसे शब्द लोगों की समझ से परे थे। इस कारण आम लोगों को सामान्य काम के लिए भी जानकारो की मदद लेनी पड़ती थी। इन्हीं परेशानियों को देखते हुए ये बड़ा बदलाव किया गया था।

बदले गए थे ये शब्द

अलामत	-	हस्ताक्षर
अदमचेक	-	असंज्ञेय
मशरूका	-	जब्त सामान
दीगर	-	दूसरा
अहकाम	-	महत्त्वपूर्ण
फर्द अफराद	-	एक व्यक्ति
रोजनामचा	-	दैनिक पुस्तिका
अदम पैरवी	-	बगैर देखरेख

इनका कहना..

कुछ शब्दों को चिन्हित कर हिंदी में अनुवाद करवाया गया। जिनके इस्तेमाल के निर्देश दिए गए है। सख्ती से इन्हें लागू करवाया जाएगा।

पवन श्रीवास्तव, स्पेशल डीजी, सीआइडी भोपाल

तीन मकानों में लगी आग से लाखों का नुकसान, कई गौवंश की मौत

मंदसौर/दलौदा, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। दलौदा क्षेत्र के ग्राम एलची में शुक्रवार शाम तीन मकानों के बाड़े में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। बताया जाता है कि घटना में तीन गौवंश की मौत हो गई। वहीं लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि घटना के पौन घंटे बाद फायर ब्रिगेड पहुंची। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश नजर आया। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक विपीन जैन और दलौदा तहसीलदार मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ितों से बात कर मुआवजे का आश्वासन दिया भी।

शुक्रवार शाम एलची में पुखराज, सुंदरलाल, रामदयाल साहू के मकान के बाड़े में आग लग गई। सबसे पहले एक बाड़े में अज्ञात कारणों से आग लगी। इसके बाद आग लगातार फैलती जा रही थी। जिससे दूसरे मकान के बाड़े में रखे भूसे तक आग पहुंच गई। इधर ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। वहीं आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन, ग्रामीणों का प्रयास नाकाफी साबित हो रहा था। आग की लपटों ने एक और पास बने मकान को भी चपेट में ले लिया। करीब पौन घंटे बाद नगरी नगर परिषद की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। लेकिन, तब तक एक गाय और दो बछड़ों की झुलसने से मौत हो चुकी थी। वहीं घरों का लाखों का सामान जलकर राख हो गया था। इसके बाद विधायक विपीन जैन गांव पहुंचे। यहां घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों ने फायर बिग्रेड समय पर नहीं पहुंचने की शिकायत कर आक्रोश भी जताया। विपीन जैन ने आर्थिक मदद का आश्वासन दिया है।

इनका कहना...

क्षेत्र के ग्राम एलची में एक किसान के बाड़े में आग लगी और धीरे-धीरे दो और बाड़ों तक फैल गई। आग ज्यादा होने से बाड़े में बंधी 02 गाय और 01 के केड़े की झुलसने से मौत हो गई है। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया।

बलदेवसिंह चौधरी, थाना प्रभारी दलौदा

आतंकी फिरोज को रतलाम से भोपाल शिफ्ट किया

रतलाम, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की साजिश में शामिल एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) के मोस्टवांटेड रतलाम निवासी आतंकी फिरोज को रतलाम जेल से भोपाल सेंट्रल जैल शिफ्ट कर दिया है। सुरक्षा की दृष्टिसे पुलिस व जैल प्रशासन उसे कड़ी सुरक्षा में लेकर गुरुवार रात को ही भोपाल रवाना हो गए थे। आंतकी रतलाम में अपनी बहन रेहाना के घर में एक कमरे में छिप कर रह रहा था। आतंकी फिरोज को पनाह देने वालों से रतलाम पुलिस अभी तक पूछताछ नहीं कर पाई है और नहीं किसी को अरेस्ट किया है। पुलिस का कहना है कि एनआईए ने प्रकरण दर्ज किया है, तो वह इस मामले को पूरा डिटेक्ट करेगी। रतलाम पुलिस कप्तान अमित कुमार ने बताया घर में रहने वाले लोगों व पनाह देने वालों की भूमिका के बारे में एनआईए जांच करेगी। हमारे स्तर पर हम भी जानकारी जुटा रहे है। जीजा के आय के स्त्रोत का पता लगाएंगे। अगर गलत तरीके से आय कमाई है तो संपत्ति को अटैच करने की कार्रवाई भी नियमानुसार की जाएगी।

आई टेन कार से मिला डोडाचूरा, मंदसौर के दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले की नया गांव चौकी पुलिस ने आई टेन कार से 75 किलो डोडाचूरा जब्त किया है। इस मामले में मंदसौर के दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर रेलवे फाटक निंबाहेडा- नीमच हाईवे फोरलेन नया गांव पर एक आइ टेन कार को रोक कर तलाशी ली गई। जिसमें पुलिस को डोडा चूरा मिला। पुलिस ने मामले में नरेंद्र पिता जगदीश पाटीदार और मदनलाल पिता भेरुलाल कुमावत निवासी नरसिंहपुरा मंदसौर को गिरफ्तार किया है।

जग्गाखेड़ी शराब दुकान पर ग्रामीणों का हंगामा

महिलाएं भी हुई मुखर, दुकान में घुसकर की तोड़फोड़, बाहर खड़े वाहनों को भी नहीं छोड़ा

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। संजीत रोड स्थित जग्गाखेड़ी में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाओं सहित ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। यहां दुकान में जमकर तोड़फाड़ की गई। इसके अलावा आसपास रखे वाहनों को भी फोड़ डाला। इसके बाद दुकान को बंद कर दिया गया। सूचना मिलने के बाद सीएसपी सतनामसिंह सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दुकान को फिर से खुलवाया गया।

बता दें कि 01 अप्रैल से मंदसौर शहर में शराब की दुकानें बंद हो गई है। जिससे शहर के शराब प्रेमी आसपास की ग्राम पंचायतों के ठेके पर जाने लगे। इधर संजीत रोड स्थित जग्गाखेड़ी ठेके पर सबसे ज्यादा मदिरा प्रेमी पहुंचने लगे। यही कारण है कि शाम से लेकर रात तक मदिरा प्रेमियों की भीड़ यहां दिखाई देने लगी। इसका असर संजीत रोड स्थित ब्रिज तक नजर आने लगा। इसी को लेकर ग्रामीणों में इस शराब की दुकान को लेकर आक्रोश दिखाई दे रहा था। शुक्रवार को यह आक्रोश फट पड़ा। शाम को महिलाओं के साथ ग्रामीण दुकान पर पहुंचे। ग्रामीण और महिलाएं जैसे ही दुकान में घुसे, दुकान के कर्मचारी वहां से निकल गए। इधर दुकान में घुसते ही हंगामा करते हुए तोड़फोड़ शुरु कर दी

गई। शराब की बोतलों को एक- एक करके जमीन पर फेंककर फोड़ने का काम किया गया। यहीं ग्रामीण नहीं रुके। पूरी दुकान का सामान तोड़ने के साथ ही बाहर खड़ी एक बोलेरो और कार सहित कई वाहनों के कांच भी तोड़ डाले। हंगामे के बाद रास्ता बंद हो गया। यहां आवागमन बंद होने के बाद वाहनों की कतारें लग गई। इसकी जानकारी मिलने के बाद सीएसपी सतनामसिंह सहित पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचा।

इनका कहना...

शराब की दुकान में कुछ लोगों द्वारा तोड़फोड़ की गई है। फिलहाल यह क्लियर नहीं हुआ है कि तोड़फोड़ क्यों की गई और किसने की है। सीसीटीवी फुटेज निकाल कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

सतनाम सिंह, सीएसपी मंदसौर

दलौदा में आज शाम पांच बजे तक का अल्टीमेटम...

ग्राम पंचायत दलौदा में फोर लेन पर आबकारी विभाग द्वारा दुकान खोलने की अनुमति दी गई है। इसके पीछे उनका तर्क है कि ग्राम पंचायत को नगर परिषद मान लिया गया है इसलिए अनुमति दी जा सकती है। इधर महिलाओं को इस स्थान पर शराब दुकान से आपत्ति है। इसे लेकर महिलाओं सहित कई लोगों ने गुरुवार को भी एक आवेदन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जग्गाखेड़ी दुकान में तोड़-फोड़ के बाद दलौदा में भी महिलाएं शराब दुकान पर एकत्रित हुई। हालांकि यहां किसी प्रकार की तोड़-फोड़ नहीं हुई, लेकिन शनिवार शाम पांच बजे तक शराब दुकान हटाने का अल्टीमेटम दिया गया है।

एक्शन राहुल गांधी शुरू, कांग्रेस उत्थान के लिए बिहार में 58 नए जिला अध्यक्ष घोषित...

मंदसौर/उज्जैन, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जब से मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं, तभी से लगातार कांग्रेस संगठन के पुनरुत्थान का दावा किया जाने लगा था। लेकिन, परिवर्तन नजर नहीं आ रहा था। इसी दौरान कमजोर संगठन के कारण हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा में करारी हार भी सहना पड़ी थी। साथ ही देशभर में शीर्ष नेताओं के यहां आलोचना भी सुनना पड रही थी कि शेखचिल्ली की तरह हुंकार भरते हैं, पर करते कुछ नहीं हैं।

पाठकों को भी ख्याल होगा कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पहले तक बहुत अधिक संभावनाएं बनी थी कि कांग्रेस की सरकार बन सकती है। खडगे, राहुल गांधी की तरह अनेकों शीर्ष स्तर के राजनीतिक समीक्षक भी यही मान रहे थे। लेकिन, नतीजो ने ख्वाब उलट दिए थे। फिर एक बयान सुर्खियों में आया था कि हरियाणा की हार को लेकर राहुल गांधी एक हाई लेवल मीटिंग आहुत कर रहे हैं। इसके बाद कुछ हाई लेवल पर उजागर नहीं हुआ कि यह बैठक हुई, हुई तो कोई कड़े निर्णय लिए गए या सामान्य बैठक की तरह शगुफा बैठक हो गई।

चन्द्रमोहन भगत

खैर अब लगता है कि बिहार राज्य से कांग्रेस हाईकमान निर्णायक एक्शन मूड आ गया है। कांग्रेस हाईकमान ने एक साथ जिले में 58 अध्यक्ष, कार्यवाहक अध्यक्ष नए बना दिए गए हैं। जिम्मेदारी के साथ इनसे प्रगति रिपोर्ट भी ली जाती रहेगी। साथ ही इन्हें ही गहरी छानबीन कर भविष्य के चुनाव के लिए क्षेत्रीय प्रत्याशियों के नाम की पैनल शीर्ष नेतृत्व को भेजने का काम सौंपा गया है। अब ऐसा लग रहा है कि जिले के नेताओं का अगर हाई कमान से सीधा संवाद होने लगेगा तो संभव है कि विपक्षी दलों के स्लीपर सेलों का प्रभाव घटेगा और कांग्रेस संगठन मजबूती की ओर बढेगा। अभी आमूलचुल परिवर्तन सिर्फ बिहार में नजर आ रहा है। क्योंकि, निकट भविष्य में ही यहां विधानसभा चुनाव होना है।

इसके पहले की छोटी सी सर्जरी में जब प्रदेश प्रभारियो को बदला गया था। तब से सिर्फ बिहार के प्रदेश प्रभारी अल्लावरु के एक्शन की खबरें लगातार आ रही थी। अपने काम की जिम्मेदारी के प्रति गंभीर प्रकृति के कारण उनके एक्शन के असर भी बिहार की राजनीति में नजर आने लगे थे। चुनाव के ठीक पहले सभी अध्यक्षों की नई टीम की घोषणा इसका उदाहरण है। समीक्षकों की नजर में इसे राहुल की घोषणा की संगठन में सुधार करेंगे की योजना के संदर्भ से जोड़ा जा रहा है। यह भी सच है कि कई प्रदेशों के प्रभारी को बदला गया था, पर सक्रियता या संगठन स्तर पर कुछ होता और प्रदेश के आम कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को सुहा रहा था तो बिहार प्रदेश प्रभारी अल्लावरु के काम करने का तरीका। पहला बड़ा निर्णय भी राहुल टीम ने ले लिया है मेरिट तभी तय हो जाएगा जब विधानसभा प्रत्याशियों के चयन की सूची जारी होगी। जिस पर ये भी नजर आएगा कि इस पर जमीनी कार्यकर्ताओं की मोहर भी लगी है स्लीपर सेल या क्षत्रप नेताओं की नहीं ! चलिए शुरुआत बिहार से शुरू तो हुई अब दूसरे राज्यों की बारी है। सबसे पहले सुधार तो हरियाणा में आवश्यक है जहां जिला इकाई गठन 13 सालों से होने का इंतजार अभी भी है। रही बात मध्यप्रदेश की तो बीते डेढ़ दशक से जितने भी प्रदेश प्रभारी भेजे गए प्रदेश कांग्रेस के लिए तो कुछ ने करा नहीं सिर्फ अपनी आव भगत का खर्चा भरवाते रहे थे।

बीते विधानसभा चुनाव का प्रत्याशी चयन इसे उजागर कर गया है। सिर्फ जेपी अग्रवाल के कार्यकाल की छोड़ कर, जिन्होंने गालियों, मोहल्लों के पार्षदों, कार्यकर्ताओं के घरों तक पहुंच बना ली थी। जबलपुर के सम्मेलन में कहा भी था कि पंचायत से लेकर केंद्र सरकार तक कांग्रेस को पहले की तरह स्थापित होना है तो गली, मोहल्ले, चौपाल तक के कार्यकर्ताओं से सीधे संपर्क रखना होगा। तब इनको हटाकर रणदीप सूरजेवाला को फिर भंवर जितेंद्र सिंह को प्रभारी बनाया गया था। जिन्हें फोन उठाने की फुर्सत नहीं रहती थी। अब हरीश चौधरी प्रभारी है उनके फोन की भी घंटी बजती रहती है यह भी संवादहीनता के सहारे प्रदेश कांग्रेस का उद्धार करने वाले हैं ?

विचार-मंथन

अमेरिका की नई धमकी से बढ़ी भारत की चिंता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शायद विश्व राजनीति में धमकी की नई परंपरा कायम करने पर तुले हैं। अब उन्होंने रूस से कच्चा तेल खरीदने वालों को धमकाया है कि जो ऐसा करेगा, वह अमेरिका में कारोबार नहीं कर पाएगा। ऐसे देशों पर पच्चीस से पचास फीसद तक अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। यह धमकी उन्होंने इसलिए दी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में न तो रूस और न ही यूक्रेन ने अपेक्षित सहयोग का रुख दिखाया है। इससे ट्रंप निराश हैं। पिछले महीने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को बुला कर ट्रंप ने कड़े शब्दों में फटकार लगाई थी। यूक्रेन को दी जाने वाली अमेरिकी मदद पर रोक लगा दी गई है। इससे उम्मीद बनी थी कि रूस, अमेरिका की युद्ध विराम संबंधी शर्तें मान जाएगा, मगर उसने अपनी शर्त रख दी कि सभी नाटो देश यूक्रेन को सैन्य मदद और गोपनीय सूचनाओं पर रोक लगाएं, तभी वह युद्ध विराम पर विचार कर सकता है। यह अमेरिका के लिए कठिन ही नहीं, शायद कभी पूरी न हो सकने वाली शर्त है। ऐसे में ट्रंप ने अब रूस पर नकेल कसने का रास्ता चुना है। मगर यह रास्ता भी उनके लिए कितना आसान और कारगर साबित होगा, कहना मुश्किल है। अमेरिका की नई धमकी से भारत की चिंता जरूर कुछ बढ़ गई है, क्योंकि सचमुच अगर वह ऐसा करता है, तो भारत की तेल कंपनियों के लिए रूस से तेल खरीदना मुश्किल हो जाएगा। अभी भारत सबसे अधिक कच्चा तेल रूस से खरीदता है। पहले ईरान और खाड़ी देशों से खरीदता था, मगर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद भारतीय तेल कंपनियों ने वहां से तेल खरीदना बंद करके रूस से खरीदना शुरू कर दिया था। इस तरह कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से महंगाई तेजी से बढ़ेगी, जिसका अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। हालांकि भारतीय तेल कंपनियां अभी समझ नहीं पा रही हैं कि अमेरिका का अतिरिक्त शुल्क लगाने का ढांचा क्या होगा, इसलिए वे इसे अधिक चिंता का विषय नहीं मान रही हैं, पर जिस तरह पहले ही पारस्परिक शुल्क नीति के तहत अमेरिका ने भारी शुल्क थोप दिए हैं, उससे भारत के लिए संतुलन बिठाना कठिन हो रहा है। यह नया शुल्क और परेशान करने वाला साबित हो सकता है। मगर ट्रंप प्रशासन के लिए भी अपनी शुल्क नीति पर लंबे समय तक कायम रह पाना कठिन होगा। इसे लेकर अमेरिका में ही विरोध हो रहा है। इसलिए कि पारस्परिक शुल्क के चलते अमेरिकी कारोबार पर भी बुरा असर पड़ सकता है। जिन चीजों के लिए अमेरिका दूसरे देशों पर निर्भर है, उनकी कीमतें बढ़ेंगी, तो वहां भी महंगाई बढ़ेगी। ऐसे में अमेरिकी लोगों का विरोध लंबे समय तक सहन कर पाना ट्रंप के लिए आसान नहीं होगा। वहां के मध्यावधि चुनाव में ट्रंप की पार्टी के लिए भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिर यह भी कि ट्रंप के नए ऐलान से रूस कितने दबाव में आ पाएगा, कहना मुश्किल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति के साथ जैसा व्यवहार ट्रंप ने किया, उससे ज्यादातर पश्चिमी देश नाराज हैं। इसलिए रूस-यूक्रेन संघर्ष रुकवाने का उनका दावा कमजोर पड़ता जा रहा है। दोनों देशों के बीच चल रहा संघर्ष निश्चित रूप से रुकना चाहिए, यह दुनिया की बेहतरी के लिए बहुत जरूरी है। मगर धौंस और धमकी के सहारे ऐसा हो पाना शायद ही संभव हो, इसके और उलझने की आशंका बनी रहेगी।

कन्याओं का पूजिये भी, आत्मसुरक्षा भी सिखाइए...

अशोक मधुप

नवरात्र में अधिकांश हिंदू परिवार घर में मां के कलश की स्थापना करते हैं। इन नौ दिन उपवास रखकर देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है। देवी स्वरुपा कन्याओं को पूजा जाता है। उन्हें जिमाया जाता है। वस्त्रादि भेंट किए जाते हैं। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। सदियों से चली आ रही इस परम्परा में वक्त के हिसाब से अब सुधार की जरूरत है। आज जरूरत है कि हम कन्याओं को पूजे और जिमाएं ही नहीं। उन्हें शिक्षित भी करें। उन्हें आज के समय और परिस्थिति में जीने के अनुकूल बनाए। आत्मसुरक्षा भी सिखाए। उन्हें गुड टच और बेड टच से अवगत भी कराएं। कन्याओं को आज के समाज में शान और सम्मान के साथ जीने के योग्य बनाएं। ज्यादती के खिलाफ बोलना भी बताएं। ज्यादती का मुकाबला भी करना सिखाएं। नवरात्र देश भर में अलग-अलग रूप में मनाए जाते हैं। पूजा अर्चन की जाती है। सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगे। स्वस्थ समाज की मांग करें। ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम आगे बढ़े। वक्त की जरूरत के साथ परिवर्तन करें। आज देश की देवियां, महिलाएं, मातृशक्ति विकास के हर क्षेत्र में अपना योगदान कर रही हैं। कार तो बहुत समय से चलाती रही हैं। अब ये आटो, ट्रक, ट्रेन, मालगाड़ी भी चलाने लगी हैं। ये प्लेन उड़ा रही हैं। अब तो सेना में जाकर बार्डर की हिफाजत भी महिलाएं कर रही हैं। आधुनिकतम लड़ाकू विमान भी उड़ा रहीं हैं। उन्हें नियंत्रित भी कर रही हैं। कभी गाना, बजना, नाचना महिलाओं की कला मानी जाती थी। उसमें उन्हें पारंगत करने के साथ-साथ पुराने समय से परिवार की बेटियों को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, अनाज पिसाई, छनाई के साथ घर के कामकाज भोजन बनाने में आदि में निपुण किया जाता था। ताकि वह समय की जरूरत के हिसाब के शादी के बाद अपने परिवार को संभाल सकें। इस समय शिक्षा पर उतना जोर नही था। परिवार की जरूरतें बढ़ी तो पढ़ी -लिखी महिलाएं घर की चाहरदीवारी से निकलीं। नौकरी करने लगीं। बिजनेस में परिवार को सहयोग देने लगीं। समय बदला। महिलाएं आज शिक्षित हो सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। नौकरी के लिए अकेली युवती का विदेश जाना अब आम हो गया। पैरा मिलेट्री फोर्सेज में योगदान करने के साथ आज वह सेना में आकर देश सीमाओं को सुरक्षित बनाने और शत्रु से लोहा लेने में भी लगी हैं। समय के साथ-साथ समाज की प्राथमिकताएं भी बदलीं। नहीं बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे। परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़, यौन शोषण चलता रहा। देश में चेतना आई, शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नहीं हुए। हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय महिला आयोग को साल 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31,000 शिकायतें मिलीं थी जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा हैं। इनमें से आधे से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश के थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध की शिकायतों में 2020 की तुलना में 2021 में 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। साल 2020 में कुल 23,722 शिकायतें महिला आयोग को मिली थीं। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 30,864 शिकायतों में से, अधिकतम 11,013 सम्मान के साथ जीने के अधिकार से संबंधित थीं। घरेलू हिंसा से संबंधित 6,633 और दहेज उत्पीड़न से संबंधित 4,589 शिकायतें थीं। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे अधिक 15,828 शिकायतें दर्ज की गईं, इसके बाद दिल्ली में 3,336, महाराष्ट्र में 1,504, हरियाणा में 1,460 और बिहार में 1,456 शिकायतें दर्ज की गईं। आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के शील भंग या छेड़छाड़ के अपराध के संबंध में 1,819 शिकायतें मिली हैं। बलात्कार और बलात्कार की कोशिश 1,675 शिकायतें, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की 1,537 और साइबर अपराधों की 858 शिकायतें मिली हैं। ये वे शिकायत हैं जो रजिस्टर होती हैं। इससे कई गुनी शिकायत तो दर्ज ही नही होती। परिवार का सम्मान बताकर, युवती की स्मिता की बातकर घटनाएं दबाली जाती हैं। अब तक बच्चियों को गाने-बचाना, डांस करने के वीडियो सामने आते थे। हाल ही में एक वीडियो सामने आया जिसमें एक पिता अपनी बेटी को लाठी चलाना सिखा रहा है। इस छोटे से वीडियो को बहुत पसंद किया गया। आज समय की मांग है कि परिवार विशेषकर मां बेटी को बचपन से गुड टच और बैड टच से अवगत कराए। इनका अंतर बताए। कहीं कुछ घर के आसपास, स्कूल में, स्कूल बस में अगर ऐसा होता है तो वह घर आकर बताएं। बेटी अब घर की देहरी के अंदर तक ही सीमित नही रह गई है। वह कार्य के लिए घर से बाहर निकल रही है। ट्रेन में, बस में अकेले सफर कर रही है। नौकरी के लिए सात समुंद पार जा रही है। ऐसे में जरूरत है उसे आत्मसुरक्षा की जानकारी देने की। जूडे-कराटे सिखाने की। आत्मसुरक्षा में निपुण करने की, ताकि वह विपरीत परिस्थिति में अपना बचाव कर सके। अगर ऐसा होगा तो छेड़छाड़ करने वाले के भय से युवती को आत्महत्या नही करनी पड़ेगी। जबकि आज इस तरह की रोज अखबारों में खबर आ रही हैं। पिछले दिनों मुरादाबाद में से 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा ने छेड़छाड़ से परेशान होकर कीटनाशक खा कर आत्महत्याकर ली। मुंबई के विनोबा भावे नगर चरचेरे भाई के बार-बार यौन उत्पीड़न से तंग आकर 15 वर्षीय किशोरी ने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जनपद में मनचले की छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। इस तरह की खबर रोज अखबारों में सुर्खियां बन रही हैं। हम अपने परिवार की बेटी को ऐसे दुनिया की तलाश, बराबरी के माहौल और अपने भीतर के गांव को निकालने शहर आ गए। शहर में बसने का एक मुख्य कारण शिक्षा भी रहा। शिक्षा, रोजगार, नौकरी, पैसा, शोहरत सभी शहर में है, तो फिर प्रश्न है कि गांव का क्या होगा? गांव को किसने इस हाल में छोड़ दिया कि लगातार 'अहा ग्राम्य जीवन' के राग और महिमामंडन के बीच गांव लाचार होते चले गए? आज भी ऐसे गांवों को देखा जा सकता है जिनका ज्यादातर हिस्सा खाली हो गया है। कुछ लोगों ने वहां बड़े-बड़े आशियाने बसाए, लेकिन अब वहां सिर्फ पक्षी बैठते हैं। उन घरों को देखकर ऐसा लगता है कि उन्हें मेहनत और आशा के साथ बनाया गया था, लेकिन उन सब पर शहर हावी हो गया और गांव पीछे छूट गया। ऐसे तमाम लोग हैं, जिनके भीतर अपने कुछ मित्रों, रिश्तेदारों का शहरी जीवन देखकर घर के प्रति लगाव कमजोर पड़ गया और वे शहरी संस्कृति की तरफ बेतहाशा दौड़ने लगे। इनके मूल में एक वजह यह भी है कि गांव में रोजगार की कमी है। सरकारें आई और गईं। योजनाएं भी लाई गई और उन्हें कार्यान्वित करने की कोशिश आज भी जारी है, लेकिन छोटे-मोटे कामों, इंसानी और छोटे कारोबारियों के अतिरिक्त अधिकतर गांवों की दशा ठीक नहीं है। ऐसे में मजबूर परिवार गांव छोड़ देते हैं। किसी के गांव से शहर चले जाने पर कई बार सवाल तो उठाया जाता है, लेकिन शहर का रुख करने की वजहों पर शायद गौर नहीं किया जाता। जो लोग गांव में जीवन के जीवंत अनुभवों के साथ जीते हैं, उनके सामने आखिर कैसी परिस्थितियां पैदा होती हैं कि वे गांव छोड़ कर बाहर निकल जाते हैं? भले ही शहर के किराए के कमरों में छोटी- सी घुटन भरी जगह में रहना पड़े, सिर्फ शहर में रहने के लिए लोग मजबूरीवश खुला आकाश भूल जाते हैं। छोटी-छोटी चीजों के लिए संघर्ष करना उनकी दिनचर्या का भाग बन जाता है। लेकिन जब कुछ लोग अपने बच्चों को शहर दे पाते हैं तब भी वे गांव खापस लौटना पसंद नहीं करते हैं। शहर उनकी आस बन जाता है और गांव उनका इतिहास हो जाता है। वे अब कभी नहीं लौटना चाहते उन घरों में जिनमें वे कभी बहुत खुश रहते थे और खुले गलियारों में जहां उन्हें सांस लेने के लिए शुद्ध हवा मिलती थी। ऐसा क्यों हुआ? इसके बहुत से कारण हो सकते हैं, लेकिन शहरों का भी कम बुरा हाल नहीं है। भीड़ बढ़ने से शहरों की स्थिति बहुत खराब हो गई गई है। शहर में प्रदूषित हवा, अस्वच्छता, कंक्रीट की इमारतें, वृक्षविहीन सड़कें, वाहनों का शोर, मनुष्य की टकराहट और भावनाओं के आवेग का प्रदूषण है। इसे चाहकर भी मिटाना संभव नहीं है। ऐसे में क्या किया जाए? क्यों न गांव के खालीपन को भरा जाए और वहां भी शहर जैसा विकास किया जाए, ताकि लोग गांव छोड़कर न जाएं? रोजगार, शिक्षा, कारोबार, तकनीक नई दुनिया से गांव का परिचय करवाकर ऐसा संभव हो सकता है। फिर लोग लौटने लगेंगे अपने खाली पड़े आशियानों में, खेतों में रौनक होगी।

बदलाव के दौर में गांवों के अस्तित्व का संकट

रितुप्रिया शर्मा

गांव शब्द आते ही हम और आप खेतों, किसानों, ग्रामीण महिलाओं, और गलियों में खेलते बच्चों की कल्पना करने लग जाते हैं। हालांकि अब गांव भी वैसे नहीं रहे जैसे कि हमारी कल्पनाओं में अब तक रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में जिस तरह सामाजिक और आर्थिक जटिलताएं रही हैं, उसके मद्देनजर देखें तो कुछ मायनों में यह काफी अच्छा है कि हमारे गांव आज की दुनिया से जुड़ रहे हैं। आज की दुनिया तकनीक और प्रचार पर चलती है। गांव के लोग भी समझ रहे हैं कि अगर दुनिया में टिके रहना है तो हमें इन सभी चीजों को अपनाना होगा। मगर इस क्रम में जो दिशा अपनाई गई है और जो रफ्तार है, इससे जो समझ विकसित और मजबूत हो रही है, उसने गांव को गांव से दूर कर दिया है। जहां गांव की सरलताएं शहरों में पहुंचनी चाहिए थी, वहां शहर गांवों तक पहुंच गए हैं। इमारतें बन गईं, खेत कट गए, जंगलों का हाल बेहाल हो गया। यहां तक कि दूरदराज के गांवों की दशा यह होती गई है कि वे खाली होते जा रहे हैं। इसके अलावा, गांव की सरलता और सहजता अब धीरे-धीरे गायब होती दिखने लगी है। गांव जिस तरह शहरों से जुड़ रहे हैं, वहां तक तो ठीक है, लेकिन इस क्रम में जो चीजें पीछे छूट गई या जो लोग पिछड़ गए, उनका अस्तित्व संकट में पड़ गया है। वे गांव कई-कई स्तर पर खाली हो गए, क्योंकि उनके बाशिंदे रोजगार, नई

मंजिल वहीं है, जहां आप पहुंचना चाहते हैं

हमारे समाज में अब भी एक गलत धारणा गहरी बैठी हुई है कि सफलता उन्हीं को मिलती है जो संपन्न घरों में पैदा होते हैं। लेकिन जरा ठहरकर सोचिए क्या कोई मां के गर्भ से डॉक्टर, अफसर, या अरबपति बनकर आता है? किसी के घर में जन्म लेना हमारे हाथ में नहीं होता, लेकिन कहां तक पहुंचना है, वो पूरी तरह हमारे हाथ में है। असल में अगर आप किसी गरीब घर में पैदा हुए हैं, तो आपके पास एक ऐसी चीज होती है जो बहुत से अमीरों के पास नहीं होती- एक जबरदस्त जज्बा, एक भूख, और एक लंबा, अद्भुत सफर तय करने का मौका। गरीबी में पैदा होना एक कमी नहीं, बल्कि एक चुनौती है जो आपके भीतर सहनशीलता, अनुशासन और मेहनत की आदतें डालती है। दुनिया के सैकड़ों उदाहरण बताते हैं कि गरीबी आपकी उड़ान की रफ्तार नहीं रोक सकती, अगर आपके भीतर उड़ने की जिद हो। गरीबी के दलदल से निकल राष्ट्रपति बने एपीजे अब्दुल कलाम का जीवन ऐसी ही कहानी है। तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब मछुआरे के बेटे के रूप में जन्मे कलाम साहब ने अखबार बेचने से अपने जीवन की शुरुआत की। लेकिन उनकी उड़ान इतनी ऊँची थी कि वे न सिर्फ देश के सबसे बड़े वैज्ञानिकों में गिने गए, बल्कि भारत के राष्ट्रपति भी बने। उनकी सफलता की जड़ें किसी महंगे स्कूल या प्रभावशाली परिवार में नहीं थीं, बल्कि कड़ी मेहनत, गहरी सोच और आत्मानुशासन में थीं। ऐसे ही मुंबई की झुग्गियों से स्टार बने नवाजुद्दीन सिद्दीकी की कहानी भी बहुत प्रेरक है। उत्तर प्रदेश के एक गरीब किसान परिवार से आने वाले नवाज का जीवन भी आसान नहीं था। उन्होंने रसायन विज्ञान की डिग्री ली, चौकीदारी की, और छोटे-मोटे काम किए। लेकिन एक्टिंग का जुनून लिए उन्होंने इस्स में दाखिला लिया, और सालों की गुमनामी के बाद आज वे भारत के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में गिने जाते हैं। उनकी आँखों में संघर्ष का सन्नाटा और कला की गहराई दोनों झलकते हैं। झुग्गियों से निकलकर भारतीय संगीत के आकाश में छाने वाली आवाज बनी लता मंगेशकर की भी कहानी भी इतनी ही प्रेरक है। भारत की स्वर कोकिला लता मंगेशकर का परिवार आर्थिक रूप से बेहद कठिन हालात में था। पिता की मृत्यु के बाद घर चलाने की जिम्मेदारी उन पर आ गई। लेकिन क्या उनकी आवाज में कभी गरीबी की परछाई दिखी? नहीं - वहां बस रियाज, समर्पण और कला की पूजा थी। लता दीदी की आवाज ने यह दिखाया कि गरीबी संगीत की उड़ान को नहीं रोक सकती। सच यह है कि हर इंसान के पास एक अनोखा उपहार है - उसका दिमाग। उस दिमाग को कौन कितना इस्तेमाल करता है, यही तय करता है कि कोई कहाँ तक जाएगा। सफलता का रास्ता क्लासरूम से होकर नहीं,मेहनत, सीखने की आदत, और आत्मविकास की भूख से होकर निकलता है। इसलिए अगर आप कभी ये सोचें कि मैं गरीब परिवार में पैदा हुआ, मेरे पास कुछ नहीं है , तो खुद से बस इतना कहिए -मेरे पास मेरी मेहनत है, मेरा दिमाग है, और मेरे सपने हैं - और यही काफी है।- आपके संघर्ष की यह यात्रा किसी और की तुलना में ज्यादा सुंदर है, क्योंकि जब आप नीचे से ऊपर चढ़ते हैं, तो हर कदम एक उपलब्धि बनता है। तो मत रुकिए, मत झुकिए, चाहे जहां जन्म लिया हो, मंजिल वही है, जहां आप खुद को पहुंचाना चाहते हैं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

बर्डिया के तालाब का गहरीकरण कार्य प्रारंभ

नीमच, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में जनपद मनासा की ग्राम पंचायत बनडा के ग्रामीणों द्वारा ग्राम बर्डिया के तालाब का गहरीकरण कर, मिट्टी निकालने का कार्य प्रारंभ किया गया हैं। उपयंत्री श्री राजेश व्यास, सरपंच श्रीमती सुनीता बाई गुर्जर , सचिव श्री रामलाल मालवीय एवं ग्राम के 7- 8 कृषकों द्वारा तालाब से जेसीबी एवं ट्रैक्टीर ट्राली की मदद से लगभग 5000 ट्राली मिट्टी जनभागीदारी से निकालने के लिए लेआउट (मार्किंग) दिया गया है। इस तालाब गहरीकरण कार्य से ग्रामीणों, कृषकों को अपने खेत के लिए उपजाऊमिट्टी मिल रही है। साथ ही तालाब की जल संग्रहण क्षमता भी 15000 घन मीटर बढने की संभावना हैं।

तारापुर सरपंच के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित

नीमच, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले की जावद जनपद की ग्राम पंचायत तारापुर के सरपंच के विरूद्ध 21 मार्च 2025 को प्रस्तुत अविश्वास प्रस्ताव पर शुक्रवार को ग्राम पचांयत तारापुर में सम्मेलन आयोजित किया गया। तहसीलदार जावद सुश्री मयूरी जोक ने बताया कि इस सम्मोलन में कुल 16 सदस्य, पंचों ने भाग लिया। मतदान पश्चात उपस्थित सदस्यों के समक्ष मतगणना की गई। मतगणना अनुसार अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष मे 12 मत प्राप्त हुवे तथा अविश्वास प्रस्ताव के विपक्ष मे चार मत प्राप्त हुवे हैं। कोई भी मत निरस्त नही हुआ है। तहसीलदार जावद ने बताया, कि म.प्र. पंचायतराज अधिनियम 1993 की धारा 21 के नियम (1) के तहत उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों तीन चोथाई से अन्यून एवं ग्राम पंचायत का गठन करने वाले पंचों, सदस्यों की कुल संख्या के दो तिहाई से अधिक 12 मत प्राप्त होने से ग्राम पंचायत तारापुर के सरपंच श्री विवेक सुरागी के विरूद्ध नियमानुसार अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया हैं।

कुशाभाउ ठाकरे नगर मण्डल मनासा की कार्यसमिति घोषित

मनासा, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्तजी शर्मा के निर्देशानुसार एवं उज्जैन संभाग संगठन प्रभारी श्री जीतू जी जिराती, नीमच जिला संगठन प्रभारी श्री क्षितिज जी भट्ट, नीमच भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती वंदनाजी खण्डेलवाल की सहमति से मण्डल अध्यक्ष विजय शर्मा ने कुशाभाउ ठाकरे नगर मण्डल मनासा समिति पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की घोषणा की है, जिसमें उपाध्यक्ष - राजू माली (मनासा), दिलीप धनगर (बर्डिया), विरेन्द्र सोनी (मनासा), पंकज छाबडा (मनासा), जीतु फरक्या (मनासा), अजय चाणक्य (मनासा), महामंत्री - श्रीमती भारती राजेश वर्मा (मनासा), नरेन्द्र सोडानी (मनासा), मंत्री - श्रवण दायमा (खेडी), हरिश जाट (खडावदा), देवेन्द्रसिंह चन्द्रावत (मोकडी), श्रीमती वंदना व्यास (मनासा), सामंतसिंह (महागढ), गोपाल पाटीदार (महागढ), कोषाध्यक्ष - हरिश एनिया (मनासा), सहकोषाध्यक्ष - विजय पाटीदार (बनी), कार्यालय मंत्री - मनोहर मालवीय (शेशपुर), सह कार्यालय मंत्री - देवेन्द्र ज्योतिशा (मनासा), मीडिया प्रभारी - आयुष भण्डारी (मनासा), सहमीडिया प्रभारी - मुकेश शर्मा (शेशपुर), सोशल मीडिया प्रभारी - दिनेश राठौर (मनासा), आईटीसेल प्रभारी - नवीन गुप्ता (घोटा पिपल्या) को मनोनीत किया गया है।

जल संचयन कार्यो की स्वीकृति के लिए शिविर आयोजित

नीमच, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की मनरेगा योजना से संबंधित कार्यों कीं स्वीकृति के लिए जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशन में जिले के 18 सेक्टर मुख्यालयों पर संबंधित सेक्टर के उपयंत्री एवं ग्राम पंचायत के सरपंच सचिवों द्वारा कार्यों कों स्वीकृत करने की कार्यवाही की गई। इसमें मनरेगा से हितग्राहीमूलक योजनाओं अंतर्गत खेत तालाब निर्माण एवं सामुदायिक कार्य अंतर्गत अमृत सरोवर व सामान्य तालाब निर्माण और मरम्मत हेतु चेक डैम, स्टॉप डैम व तालाब के प्राक्लन तैयार कर, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को प्रस्तुत किए गए हैं।

श्री राम के जीवन की बाल लीलाओ के वर्णन के साथ श्री राम चतुर्थ दिवस की कथा का समापन

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ग्राम साबाखेडा में कथा व्यास पंडित सत्यनारायण शर्मा के मुखारविंद से 9 दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन कथास्थल धर्मराज महाराज मंदिर इंदिरा कॉलोनी, कानाखेडा मे चतुर्थ दिवस की कथा के दौरान पंडित सत्यनारायण शर्मा ने पंडित सत्यनारायण शर्मा द्वारा श्री राम कथा में राम जन्म के बाद बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। जिसमें बताया गया कि माता कौशल्या द्वारा भगवान को भोग लगाते हुए देखा कि श्री राम पालने में भी है और पूजा स्थल पर भगवान स्वरूप चतुर्भुज रूप में भोग लगा रहे हैं। माता कौशल्या को चिंता हुई और भगवान श्री राम से वचन लिया कि आप इस चतुर्भुज रूप में कभी भी प्रकटय नहीं करोगे। मेरे ही पुत्र स्वरूप पूरे जीवन रहोगे।इस कथा में धर्मराज मंदिर पर रविवार 6 अप्रैल शाम 4:00 बजे से धर्मराज जी का दिव्य दरबार लगाया जाएगा।जिसमें अनेकों भक्तों की अर्जियां स्वीकार की जाएगी।और रोग दोषों का निवारण भी किया जाएगा।इस अवसर पर पंडित शर्मा ने अधिक से अधिक संख्या में पधारने का अनुरोध किया।अंत मे पंडित सत्यनारायण ने इस धर्मराज के मंदिर मे सभी से सहयोग और स्वयं समर्पण करने की बात के साथ अधिक से अधिक संख्या मे भक्तों से कथा को श्रवण करने का अनुरोध किया।

शासकीय हायर सेकेण्ड्री स्कूल डिगांवमाली में नवीन सत्र प्रारंभ

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शासकीय हायर सेकेण्ड्री स्कूल डिगांवमाली में 1 अप्रेल को प्रथम दिन ग्राम की सरपंच और प्राचार्य द्वारा स्कूली बच्चों का पुष्पमाला से व तिलक लगाकर स्वागत किया गया। अतिथि के उद्बोधन के पश्चात बच्चों को पाठ्य पुस्तके वितरित कि गई। अगले दिन 2 अप्रेल को गांव के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा बच्चों को प्रेरक उद्बोधन एवं जानकारी दी गई तथा 3 अप्रेल को खेल-कूद गतिविधियों मे केरम , खो-खो, कबड्डी व लूडों खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

युवक ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

पिपलियामंडी, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। गांव चीताखेडी में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार नारायणगढ थानान्तर्गत गांव चीताखेडी में श्यामलाल (35) पिता नागूलाल भील का शव शुक्रवार सुबह घर में फन्दे पर लटका मिला। सूचना पर पुलिस मौके पहुंची, शव नीचे उतरवाकर पीएम के बाद परिजनों को सुपुर्द किया। आत्महत्या का कारण पता नही चला।

सट्ठा अंक लिखते व जुआ खलते 10 धराए

पिपलियामंडी, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सट्ठा अंक लिखते व जुआ खेलते हुए 10 आरोपियों को पकडा। पिपलिया पुलिस ने सट्ठा अंक लिखते हुए मुलतानपुरा, हाल मुकाम बोतलगंज निवासी सद्दाम पिता हुसेन धारी व शकील पिता रफीक पेमला को पकडा। वहीं नाहरगढ पुलिस ने सट्ठा अंक लिखते खजूरी गौड (सीतामउ) हामु नाहरगढ निवासी बलवंतसिंह पिता लालसिंह राजपूत को पकडा। आरोपियों से नकदी व सट्ठा उपकरण जब्त किए। इसी तरह जुआ खेलते हुए बोतलगंज निवासी शकील पिता सत्तार न्यारा, अनवर उर्फ अन्नू पिता रशीद तुरकिया को पकडा। इसी तरह नाहरगढ पुलिस ने जुआ खेलते हुए नाहरगढ निवासी राजू पिता चर्तुभुज खारोल, दिलीप पिता लक्ष्मीनारायण खारोल व शाहरुख उर्फ सरफराज पिता अब्दुल रशीद पठान को पकडा। इसी तरह दूसरे मामले में जुआ खेलते नाहरगढ निवासी सद्धाम पिता सलीम व गोपाल पिता नारायण लोहार को पकडा। आरोपियों से नकदी व ताशपत्ती बरामद की।

डोडाचूरा तस्करी में फरार आरोपी गिरफ्तार

पिपलियामंडी, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। डोडाचूरा तस्करी में फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार 13 जनवरी 2025 को पलिस ने मल्हारगढ पुलिस ने डेढ क्विंटल डोडाचूरा पकडा था। मामले में दशरथसिंह व वीरेन्द्रसिंह सौंधिया को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों ने उक्त डोडाचूरा आरडी निवासी रोडसिंह सौंधिया से लाना बताया था। पुलिस ने रोडसिंह पर भी केस दर्ज कर लिया था, लेकिन वह फरार था। मल्हारगढ टीआई राजेन्द्र पंवार ने बताया शुक्रवार को पुलिस ने आरडी से रोडसिह को भी गिरफ्तार कर लिया। जिसे शनिवार को एनडीपीएस एक्ट न्यायालय में पेश किया जाएगा।

ट्रेक्टर ने मारी बाइक को टक्कर, एक घायल

पिपलियामंडी, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ट्रेक्टर की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। मंशाखेडी (नारायणगढ) निवासी राहुल पिता शंभूलाल रावत ने नाहरगढ थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई कि मैं दलोदा निवासी यशवंत पिता दिनेश सुथार के साथ कलेक्शन पर जा रहे थे। कि नाहरगढ में हमारी बाइक (आरजे 35 सीपी 2303) को ट्रेक्टर ड्राइवर ने लापरवाहीपूर्वक चलाकर टक्कर मार दी। जिससे यशवंत को दोनों पैर में गंभीर चोंटे आई। पुलिस ने ट्रेक्टर जब्त कर ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

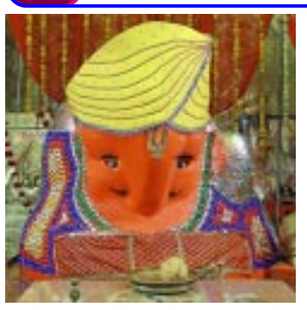

श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर पर धूमधाम से मनेगा राम जन्मोत्सव

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मन्दसौर के श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर पर 6 अप्रैल को रामनवमी पर राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि 6 अप्रैल को रामनवमी पर प्रात: 11.35 बजे भगवान श्री राम का पंचामृत से अभिषेक होंगा। दोपहर 12 बजे भव्य महाआरती का आयोजन होंगा। तदुपरान्त प्रसाद का वितरण होंगा।

रामनवमी पर सायंकाल 6 बजे मंदिर पर मन्दसौर के प्रसिद्ध भजन गायक योगेश गोविंदानी के मुखारविंद से श्री राम स्तुति और सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ होंगा। श्री तलाईवाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट के न्यासीगण सर्वश्री धीरेन्द्र त्रिवेदी, दिलीप जोशी, सुशील गुप्ता, धन्नालाल माली, गोपाल गोयल, ओमप्रकाश व्यास, जयप्रकाश सोमानी, महेश कटलाना व अशोक गुप्ता आदि ने समस्त भक्तजनों से समस्त धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया हैं।

श्री बड़े बालाजी मंदिर पर धूमधाम से मनेगा भगवान श्री राम का जन्मोत्सव

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पुराना बस स्टेण्ड स्थित प्रसिद्ध व चमत्कारी श्री बडे बालाजी मंदिर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भव्य रूप से भगवान श्री राम का जन्मोत्सव 6 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस दिन विशेष श्रृंगार व महाआरती आयोजित होगी। साथ ही रामनवमी की संध्या 7 बजे से मंदिर परिसर में विशाल भजन संध्या भी आयोजित होगी। उक्त आयोजन की जानकारी देते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा व प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि रामनवमी के उपलक्ष्य में दिनांक 6 अप्रैल रविवार को मंदिर को भव्य रूप से सजाया जाएगा। भगवान का आकर्षक श्रृंगार होगा। सायंकाल महाआरती पश्चात् सायं 7 बजे से मंदिर परिसर में विशाल भजन संध्या आयोजित होगी। जिसमें भजन गायक सतीश हाडा व हर्षिता कडोतिया व उनकी टीम द्वारा भक्ति गीतों की बरसात की जाएगी। इस हेतु सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। सभी बालाजी भक्तों से अनुरोध है अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ ले।

विक्रम अवार्ड से सम्मानित हुई हॉकी खिलाड़ी नीलू डांडिया

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। 3 अप्रैल 2025 को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जारी खिलाडियों को पुरस्कृत करने वाली लिस्ट जारी हुई जिसमें मंदसौर की हॉकी खिलाडी नीलू डांडिया को विक्रम अवार्ड प्रेषित किया गया मंदसौर के लिए यह गौरव की बात है कि यह किसी भी खेल में मिलने वाला मंदसौर को पहला अवार्ड है, यह जानकारी हॉकी मंदसौर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया व सचिव अविनाश उपाध्याय ने दी उन्होंने बताया कि यह अवार्ड उनको उनके पिछले वर्षों की खेल उपलब्धि के आधार पर दिया गया याद रहे नीलू जूनियर एशिया कप

मेडलिस्ट है और कई बार भारत के लिए उपलब्धि हासिल करने वाली खिलाडी है। वर्तमान में नीलू डांडिया बीपीसीएल में पदस्त है नीलू की खेल की शुरुआत कक्षा 6 टी से हुई जब केंद्रीय विद्यालय मंदसौर में पढती थी यहीं से राज्य व राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया बाद में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित भारत की नंबर वन महिला अकैडमी ग्वालियर में चयन हुआ, इसके बाद पर यहां पर परमजीत सिंह बराड जैसे कोच का सानिध्य प्राप्त हुआ।जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवडा ने बताया कि नीलू हॉकी की बेस्ट खिलाडी है और नीलू ने मध्य प्रदेश द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर में अपना अमूल्य समय देकर दिन-रात पशिक्षण प्राप्त एक उंच्चाई पर पहुंची है जहां पर हर खिलाडी का पहुंचना एक सपना होता है जो आज नीलू ने पूरा किया है, नीलू की इस उपलब्धि में मंदसौर के सभी प्रशिक्षकों के साथ-साथ नीलू के पापा राजकुमार डांडिया जो की लौह पुरुष विद्यालय में शिक्षक है उनका बहुत योगदान रहा नीलू की मम्मी की बहुत इच्छा थी कि वह अच्छी खिलाडी बने आज उम्र से नीलू को आशीर्वाद दे रही होगी एक बीमारी के चलते कई समय पहले नीलू की मम्मी का देहांत हो गया था नीलू की उपलब्धि पर की उपलब्धि पर खिलाडियों की इस उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवडा, हॉकी मंदसौर एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया, सचिव अविनाश उपाध्याय, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, अजहर खान पठान, खेलो इंडिया एन,आई,एस कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, मंगल बैरागी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज्जाक, सीनियर खिलाडी संजय तोमर, मनोज जैन, अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवडा, अजय सिंह गौड, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी दुबेला क्लब के अध्यक्ष श्री विनय दूबेला, अमर क्लब के अध्यक्ष श्री भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, आदि ने बधाई दी व उनकी उज्वल भविष्य की कामना की। उक्त जानकारी जिला हॉकी संगठन जनसंपर्क अधिकारी जितेन्द्र कनौजिया ने दी।

जीवन अस्तित्व बचाए रखने के लिए पानी की बूंद-बूंद बचायें - श्रीमती भावसार

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहा है जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिला संमन्वयक श्रीमति तृप्ती बैरागी के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के बैनर तले खिडकी माताजी मंदिर परिसर मे नवांकुर संस्था बाजखेडी एवं पारेश्वर युवा ग्राम विकास समिति नौगांवा द्वारा सफाई कर आमजन को जन जागरूक किया गया। नवांकुर संस्था सचिव मंजु भावसार द्वारा बताया गय कि जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश के भू-जल स्तर में सुधार आएगा। मानवता ही नहीं समूची प्रति का जीवन अस्तित्व बचाए रखने के लिए पानी की बूंद-बूंद बचाने का आहवान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। इस अवसर पर बानो बी, लाला भाई अजमेरी, रतनलाल चौहान, वरदिचन्द्र पंवार, फुलचन्द्र, राधेश्याम दोबडा, खिडकी माता मंदिर पुजारी एवं दर्शानार्थी की विशेष सहयोग रहा।

केंद्रीय विद्यालय नीमच में विज्ञान संकाय प्रारंभ होने पर विद्यार्थियों और अभिभावकों में हर्ष

नीमच, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय विद्यालय नीमच में इस शिक्षा सत्र से विज्ञान संकाय प्रारंभ हो गया है। विद्यालय में विज्ञान संकाय प्रारंभ हो जाने पर अभिभावकों ने गुरूवार को कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा से भेंट कर उनका स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री सी.के.शर्मा सहित केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित थे।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री चंद्रा ने सभी अभिभावकों एवं इस सत्र में विज्ञान संकाय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को अग्रिम शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि पिछले दिनों विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में कलेक्टर के समक्ष पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री सी.के.शर्मा एवं अभिभावकों द्वारा विद्यालय में विज्ञान संकाय की आवश्यकता बताई जा कर विज्ञान संकाय प्रारंभ करवाने का अनुरोध किया गया था। इस पर कलेक्टर नीमच द्वारा केंद्रीय विद्यालय समिति एवं बोर्ड को केंद्रीय विद्यालय नीमच में विज्ञान संकाय की अध्यानपन सुविधा उपलब्धर करवाने के संबंध में पत्राचार किया गया था, परिणाम स्वारूप इस शिक्षा सत्र से विद्यालय में विज्ञान संकाय प्रारंभ होकर विद्यार्थियों के प्रवेश की प्रकिया प्रारंभ हो गई है। इससे अभिभावकों एवं विद्यार्थियों मे हर्ष हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टयर श्री हिमांशु चंद्रा, केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष भी हैं। उनके नेतृत्व में विद्यालय निरंतर प्रगति

जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण हेतु तालाब गहरीकरण हेतु किया जा रहा श्रम दान

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल एक सीमित और बहुमूल्य संसाधन है जो पृथ्वी पर सभी जीवन को बनाए रखता है। बढती वैश्विक आबादी और मौसम के पैटर्न पर जलवायु परिवर्तन के चल रहे प्रभाव के साथ, पानी की कमी एक बढती हुई चिंता बन गई है। इस चुनौती के जवाब में, जल संरक्षण भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में उभरा है। जल गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य नदी, तालाब, पुरानी बावडी सार्वजनिक कुआ की स्वच्छता और संरक्षण को बढावा देना है। ईसी कडी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन ने सामुदायिक भागीदारी को बढावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ग्राम बामणी द्वारा सामुदायिक भागीदारी को बढावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में जागरुक करना प्रमुख लक्ष्य है। जल गंगा सवर्धन अभियान 30 जुन तक चलाया जायेगा। इसी कडी में आज जल गंगा सवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम रोज्या में तालाब की सफाई एवं गहरीकरण हेतु ग्रामीणों ने श्रमदान किया। जिसमें नवांकुर संस्था एवं ग्रामीण जनो का सहयोग रहा।

वकीलों का प्रदर्शन लगातार जारी, मौन जुलूस निकाला

नीमच, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। वकीलों का नए कोर्ट परिसर में बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। वकील चार दिन से कोर्ट परिसर के बाहर टेंट लगाकर धरना दे रहे हैं। शुक्रवार को वकीलो ने मौन जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया।

शुक्रवार को वकीलों ने पुराने कोर्ट परिसर से एक मौन जुलूस निकाला। जुलूस शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों से होकर गुजरा। इस दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने वकीलों का समर्थन किया। लोगों ने उन पर पुष्प वर्षा की और पुष्पमाला पहना कर साफा बांधा। जुलूस में शामिल वकील तिरंगा ध्वज और अपनी मांगों से संबंधित बैनर लेकर चल रहे थे। बता दें कि 01 अप्रैल से वकीलों ने नए कोर्ट परिसर में बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण काम करने से मना कर दिया है। वकीलों की मुख्य मांग है कि उन्हें बैठने के लिए उचित व्यवस्था की जाए। साथ ही उनकी अन्य मांगों का भी जल्द से जल्द समाधान किया जाए।

दीवार लेखन के माध्यम से गांव में चलाया जा रहा जल गंगा संवर्धन अभियान

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले में स्वयंसेवी संस्था द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में बडे उत्साह के साथ दिवार लेखन के माध्यम से गांव में प्रचार प्रसार जनजागरूकता कार्य किया जा रहा है। मध्य प्रदेशशासन द्वारा चलाए जा रहा है जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद की समन्वय तृप्ति बैरागी के निर्देशन में पूरे मंदसौर जिले में बडे उत्साह के साथ नवांकुर संस्थाएं प्रचार प्रसार कर रही है मध्य प्रदेश जन अभियान से चयनित नवांकुर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था सेक्टर डिगावमली के आदर्श गांव में जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रचार प्रसार पर दीवार लेखन किया गया। साथ ही सेक्टर में आने वाले समय में तालाब, नदी में श्रमदान कर जल संरचनाओं को बचाया जाएगा हर पंचायत स्तर इस अभियान की शुरुआत हो चुकी है अभियान में कई संस्थाएं हिस्सा ले रही हैं आगे सेक्टर में प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था द्वारा कलश यात्रा प्रभात फेरी जल चौपाल जल बचाओ की शपथ दिलाई जाएगी।

राष्ट्र को जागृत करने वाले फिल्म अभिनेता निर्माता निर्देशक मनोज कुमार को दशपुर जागृति संगठन द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किए

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। महान क्रांतिकारियों एवं देश के सैनिकों के सम्मान के लिए समर्पित दशपुर जागृति संगठन द्वारा राष्ट्रीय जागरण की फिल्म बनाने वाले निर्माता निर्देशक एवं कलाकार मनोज कुमार के के निधन पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

भरत कुमार के नाम से पूरे विश्व में विख्यात भारत का रहने वाला हूं भारत की बात बताता हू क्रांति, उपकार, पूरब पश्चिम जैसी देशभक्ति फिल्मों के निर्माता निर्देशक के रूप में कार्य करते हुए उन फिल्मों में मुख्य कलाकार की भूमिका निभाने वाले का आज प्रात: 4.30 बजे जैसे ही उनके निधन के समाचार सुना पूरे देश के देशभक्त नागरिकों में दुख की लहर फैल गई। इस दुखद घडी में दशपुर जागृति संगठन के सभी पदाधिकारी ने अपने ग्रुप के माध्यम से मुंबई की फेसबुक पर भी श्रद्धासुमन अर्पित किए और कहा कि आज एक महान देशभक्त जिन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र जागरण के लिए समर्पित किया उनके द्वारा बनाई गई पिक्चरें सभी के हृदय में आज भी अपना स्थान रखती है। जो संगठन की विचारधारा है उसी के अनुरूप आज ऐसे देशभक्त कलाकारों की राष्ट्र को जरूरत है। मनोज कुमार द्वारा किए गए कार्य हमेशा याद आते रहेंगे। मनोज कुमार का पूरा जीवन भारत के सैनिकों एवं सम्मान के लिए हमेशा उनके प्रति विचार बनाए रखा। उनकी कमी को किसी भी रूप में पूरा नहीं किया जा सकता। क्रांति पिक्चर ने पूरे देश के अंदर एक देशभक्ति का वातावरण निर्मित किया था, आज भी वह सब के हृदय में है। भाई भाई के अंदर उपकार पिक्चर मातृभूमि को लेकर मेरे देश की धरती सोना उगले उगले हीरे मोती जैसे गीतों की गाकर। कसमे वादे प्यार वफा वादे हैं वादों का क्या उन गानों को याद करते हुए सभी को आज मनोज कुमार की याद आ रही है। इस दुखद घडी में संगठन के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र पौराणिक, कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा, संरक्षक राजाराम तंवर, रविंद्र पांडे, वरिष्ठउपाध्यक्ष चंद्रकुमार विश्नोई, बी एस सिसोदिया, कोषाध्यक्ष आरसी पांडे, सह कोषाध्यक्ष अध्यक्ष हरि नारायण, अरुण गौड, वरिष्ठ सलाहकार एमपी सिंह परिहार, सचिव आशीष बंसल, वित्तीय सलाहकार चार्टर अकाउंटेंट, विकास भंडारी, संगठन परामर्शदाता रमेशचंद्र चंद्रे, बिंदु चंद्रे, महेश शर्मा अजीजुल्लाह खान खालिद, मीडिया प्रभारी जयंत भावसार सफीउल्लाह खान खालिद, परामर्शदाता जिला महिला इकाई अध्यक्ष डॉ. उर्मिला तोमर, पिपलिया मंडी नगर इकाई अध्यक्ष प्रवीणा गुप्ता, सुनील बंसल, सुभाष गुप्ता, मंदसौर महिला इकाई अध्यक्ष सीमा चौरडिया, प्रेमलता मीडा, जिला अध्यक्ष उषा कुमावत, किरण मंडोवरा, नगर महिला नगर प्रभारी वंदना भावसार, पिपलियामंडी संगठन परामर्शदाता एवं संरक्षक कृष्ण पाल सिंह गुडबेली संगठन के सभी पदाधिकारी द्वारा विशेष रूप से मनोज कुमार जी को याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। यह जानकारी मीडिया प्रभारी जयंत भावसार ने दी।

कालेश्वर मंदिर पर आज महायज्ञ एवं महाप्रसादी का आयोजन

नगरी, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर के धमनार रोड पर स्थित कालेश्वर मंदिर पर खारोल समाज द्वारा एक दिवसीय धार्मिक आयोजन के तहत महायज्ञ का आयोजन आज होगा। आयोजन समिति के पदाधिकारी राजकुमार खारोल, सुरेश खारोल, देवीलाल खारोल एवं राहुल खारोल ने बताया कि कालेश्वर मंदिर पर पहली बार वृहद स्तर पर एक दिवसीय आयोजन सकल खारोल समाज द्वारा नगरवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन के तहत शनिवार को सुबह जलकलश यात्रा रोग्यादेवी मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण के पश्चात कालेश्वर मंदिर पहुंचेगी। मंदिर परिसर में एक दिवसीय पंचकुंडीय महायज्ञ का आयोजन होगा।

सांय 4 बजे महायज्ञ पूर्णाहुति एवं महाप्रशादी वितरण होगों समापन कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, खारोल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश ठाकुर, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया एवं भाजपा दलोदा मंडल अध्यक्ष विकास सुराना के साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं खारोल समाज के वरिष्ठजन रहेगें।आयोजन समिति ने अधिक से अधिक संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों से धार्मिक आयोजन में सहभागिता की अपील की है।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई के जीवन दर्शन एवं चिंतन पर व्याख्यान माला आयोजन कल

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला शाखा मन्दसौर द्वारा लोकमाता देवी अहिल्याबाई की त्रिशताब्दी जयंती के अवसर पर व्याख्यानमाला का आयोजन 6 अप्रैल, रविवार को दोप. 2.15 बजे से कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम में किया जा रहा है। इस व्याख्यान माला में मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ महामंत्री डॉ. गीता भट्टनईदिल्ली उपस्थित रहेगी जिनके द्वारा देवी अहिल्याबाई के जीवन दर्शन पर विचार व्यक्त किए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में म प्र शिक्षक संघ के प्रांतीय संगठन मंत्री श्री हिम्मतसिंह जैन, प्रांताध्यक्ष डॉ क्षत्रवीर सिंह राठौड, प्रांतीय महामंत्री श्री राकेश गुप्ता, प्रांतीय कोषाध्यक्ष विनोद कुमार पुनी का भी मार्गदर्शन प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला मंदसौर द्वारा सभी शिक्षक बन्धुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

सर्पदंश से बालक की मौत

पिपलियामंडी, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। गांव लूनाहेडा में जहरीले जानवर के काटने से 7 वर्षीय बालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार लूनाहेडा निवासी 7 वर्षीय बालक जिज्ञांश पिता राकेश मालवीय को जहरीले जानवर ने काट लिया। परिजन जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

यजुर्वेदीजी की स्मृति में जल मंदिर का शुभारम्भ

मनासा, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर के नीमच रोड स्थित शासकीय (रामेश्वर मारू)सिविल हॉस्पिटल के परिसर में आने वाले मरीजों व आमजनों की शुद्ध पेयजल मिले हेतु यजुर्वेदी परिवार द्वारा नगर की सामाजिक सेवा भावी संस्था कर्तव्य एक प्रयास के माध्यम से अपने परिवार जनों स्व.विश्वनाथ यजुर्वेदी,स्व.श्री मति विद्यादेवी यजुर्वेदी, स्व.अशोक यजुर्वेदी की स्मृति में 'जल मंदिर'(आर ओ फिल्टर प्लांट)लगाया गया हे जिसका उद्घाटन आज 5अप्रैल शनिवार को दोपहर 1बजे क्षेत्रीय विधायक माधव मारू द्वारा किया जायेगा।

खेल गतिविधियों की जानकारी दी

नारायणगढ़, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। खेलो बडो अभियान के तहत नारायणगढ स्टेडियम तहसील मल्हारगढ जिला मंदसौर के परिसर में युवा खिलाडियों द्वारा भ्रमण करवाया गया नगर परिषद के खिलाडियों द्वारा और खेलो नारायणगढ के खिलाडियों द्वारा खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित खेल गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई और मध्य प्रदेश में खेल विभाग द्वारा संचालित अकादमी के बारे में जानकारी दी गई और सभी खिलाडियों को खेलोगे और जुडोगे योजना के बारे में विस्तृत जानकारी विकासखंड समन्वयक श्री गोपाल धनगर द्वारा दी गई उक्त कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक महोदय अभिषेक आनंद जी के मार्गदर्शन में और जिला खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवडा के मार्गदर्शन में खेलो बडो योजना संबंधी कार्यक्रम नारायणगढ स्टेडियम में किया गया कार्यक्रम में उपस्थित युवा खिलाडी और और खेल प्रेमी उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	18	2249	2300
उडद	13	4800	5800
सोयाबीन	4428	4000	4416
गैहु	12500	2301	2971
चना	531	5600	5800
मसुर	75	5800	6101
धनिया	301	6000	7596
लहसुन	18500	2010	9040
मैथी	1920	4101	5601
मुंगफली	914	4400	5130
अलसी	2275	5810	6300
सरसो	607	5601	6020
तारामीरा	3	5540	5540
इसबगोल	150	11000	13065
प्याज	3550	300	1401
कलोंजी	10	16901	18870
तुलसी बीज	1	7000	7000
डॉलर	44	7490	9401
तिल्ली	0000	0000	0000
जौ	50	2150	2200
मटरसुखी	3	3980	3980
असालीया	205	6000	7361
चियाबीज	70	8500	12401

बच्चों को मोबाईल से दूर रखे-पं. नारायणजी

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्रीमद भागवत कथा के पांचवे दिवस में व्यास पीठ से विराजित श्री हनुमन्त भागवत कर्मकाण्ड परिषद के संस्थापक भागवताचार्य पं. श्री मुकेश शर्मा नारायणजी मन्दसौर वाले ने कहा कि भगवान की बाल छवि तो हर घर में बसती है जिस घर में छोटे बच्चे रहते हैं वह सारे बच्चे बाल गोपाल की ही छवि में रहते है लेकिन इन बच्चों के सुंदर बचपन को छिनने का जो कार्य आज के माता - पिता बच्चों को मोबाईल की आदत डालकर अपनी जिम्मेदारी से दूर भागते हैं कि बच्चों को मोबाईल देकर यदि माँ बाप यह समझते है कि हमारे बच्चे तो छोटे से बडे समझदार है मोबाईल इतनी आसानी से चलाते है लेकिन यह बच्चों की समझदारी नहीं है ये आज के युग के माता पिता की ही सबसे बडी भुल है जो बच्चों के बचपन को छीन कर बच्चों के शारीरिक विकास को यदि रोकने का कार्य करता है तो वह सिर्फ मोबाईल है क्योंकि बच्चे अपने इस बचपन में ही प्राकृतिक खेलों एवं प्रकृति से दूर होकर मोबाईल के लिए एकांत ढूँढते है और उनका दिमाग एक चिडचिडपन की तरफ एवं अपनों से दूर रहने का कार्य करता है। यदि बच्चों को बचपन में ही मोबाईल थमा दिया तो आने वाले समय में युवा पीढी को भगवान की भक्ति की एवं रिश्तों को निभाने की बडी समझ एवं गंभीरता नहीं रह पाएगी। यदि अपने बच्चों का एवं आने वाली पीढी का सुंदर भविष्य देखना है तो माता पिता को भी बच्चों के सामने मोबाईल चलाने पर अंकुश लगाना होगा।

पं. श्री नारायणजी के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के बाल उत्सव का सुंदर वर्णन करते हुए कहा माता यशोदा एवं नंद बाबा की भक्ति को स्वीकार करते हुए उनको वृद्धावस्था में संतान का सुख प्राप्त कराने के लिए भगवान श्रीकृष्ण का आगमन नंदबाबा की नगरी में होता है। भगवान श्रीकृष्ण के आगमन पर पूरी नगरी में माखन की होली खेलकर भगवान श्रीकृष्ण का भव्य जन्मोत्सव मनाया जाता है। पूरा वृंदावन भगवान की भक्ति में रम जहाता है भगवान श्रीकृष्ण अपने इस बाल्य स्वरूप में ही माता यशोदा को पूरे ब्रह्मण का अपने श्रीमुख से दर्शन करवाते हैं एवं अपनी बाल्य लीलाओं से माता यशोदा एवं नंदबाबा का मन मोहित करते हैं। माखन चोरी की लीला से पूरी गोकुल की गोपियों को सुंदर भक्ति से आनन्दित करते हैं। अपना पूर्ण बाल स्वरूप गौ माता की सच्ची भक्ति एवं सेवा को समर्पण करते हैं। इस बाल स्वरूप में ही अपने बच्चों की रक्षा के लिए देवराज इंद्र के अहंकार को तोडने के लिए अपनी एक ही उंगली पर गिरिराज पर्वत को उठाकर बडे लम्बे समय से भक्तों की रक्षा करते हैं। अपने मामा के द्वारा भेजे हुए राक्षसों का भी स्वागत कर उनका मोक्ष करते हैं। क्योंकि पूतना मां की तरह मासी का स्वरूप बनाकर भगवान श्रीकृष्ण को दूध पान करवाना चाहती है। पूतना की इच्छा को भी भगवान ने पूरा किया पूतना का दूध पान कर उसका भी मोक्ष किया। अपने मामा के द्वारा भेजे हुए कई राक्षसों का मोक्ष कर उद्धार किया इस बाल स्वरूप में ही अपने सच्चे मित्र मधुमंगल एवं समस्त मित्रों की भक्ति को स्वीकार करते हुए उनकी भी भक्ति को पूर्ण किया।

अनुराग जनजागरण पदयात्रा कल

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन के लक्ष्य को लेकर मन्दसौर नगर से अनुराग (प्रेम) रखने वाले गणमान्य नागरिकों के मार्गदर्शन में पदयात्रा निकाली जाएगी। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को निकाली जाने वाली पदयात्रा दिनांक 6 अप्रैल 2025, रविवार को प्रात: ठीक 8.30 बजे, श्री कोल्ड कॉर्नर, जनता कॉलोनी, संजीत मार्ग, मन्दसौर से प्रारम्भ होकर जनता कॉलोनी क्षेत्र में भ्रमण करेगी। पैदल चलने में असमर्थ महानुभाव प्रात: 9 से 9.15 के मध्य एकत्रीकरण स्थल श्री कोल्ड कॉर्नर, जनता कॉलोनी, संजीत मार्ग, मन्दसौर पर पधारकर आमजन हित के इस अभियान को अपना नैतिक समर्थन अवश्य प्रदान करें।

नवरात्रि पर विशेष...

आरोग्य तीर्थ के रूप में सुप्रसिद्ध मोड़ी माता जी का मंदिर

नीमच, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिला मुख्यायल से लगभग 16 कि.मी. दूर स्थित जावद तहसील के ग्राम पंचायत मोडी में स्थित प्राचीन खेडा माताजी का मंदिर, जिसे मोडी माताजी मंदिर भी कहा जाता हैं। आरोग्य तीर्थ के रूप में सुप्रसिद्ध है, यहां प्रतिवर्ष बडी संख्या में श्रृद्धालु आते है और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करते हैं। मान्यता है, कि मोडी माताजी मंदिर में दर्शन कर, भभूत का सेवन करने से लकवा रोग सहित अन्यि असाध्य रोगो से जल्दी मुक्ति मिल जाती हैं। नवरात्रि में तो, इस मंदिर पर मां के दर्शन के लिए श्रृद्धालुओं का तांता लगा रहता हैं। नीमच जिले के निपानिया शक्ति पीठ के संत महा मण्डे लश्वर श्री सुरेशानन्दं शास्त्री जी बताते है, कि मोडी माताजी मंदिर के समीप एक सुंदर बावडी स्थित हैं। इस प्राचीन बावडी का जनसहयोग से जीर्णोद्धार किया गया हैं। इस बावडी का स्वरूप ही बदल गया हैं। इस बावडी के जीर्णोद्धार के दौरान जो पत्थर निकले है, वे परमार कालीन है। अत: मोडी माताजी के मंदिर को भी परमार काल के सम्यतुल्य माना जा सकता हैं। माता जी की मूर्ति भी अनादि काल से यहां स्थामपित बताई जा रही है। महामण्डेश्वंर श्री सुरेशानन्द जी शास्त्री ने बताया, कि तत्कालीन जनपद सदस्य श्री राजेन्द्र प्रसाद नागदा ने मंदिर समिति के सदस्यगणों एवं क्षेत्रवासियों का सहयोग प्राप्त कर, मंदिर के निर्माण एवं बावडी के जीर्णोद्धार कार्य में विशेष रूची ली, परिणाम स्वपरूप आज मोडी माताजी मंदिर का स्वरूप ही बदल गया है और यहॉ आने वाले श्रृद्धालुओं की

संख्या भी काफी बढ गई हैं। नवरात्रि में हजारों श्रृद्धालु यहां दर्शन कर, रात्रि में ठहरते हैं। मंदिर के परिसर में श्रृद्धालुओं की सुविधा के लिए काफी विकास कार्य हुए है। मंदिर की व्यवस्थाएं एवं प्रबंध तहसीलदार जावद की निगरानी में प्रबंधन समिति द्वारा किया जा रहा हैं।

ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफार्म की 327 वेबसाइटों और 2400 बैंक खातों को ब्लॉक किया

ऑनलाइन गेमिंग को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जीएसटी खुफिया मुख्यालय महानिदेशालय ('डीजीजीआई') डीजीजीआई ऑनलाइन मनी गेमिंग/सट्टेबाजी/जुआ की आपूर्ति में शामिल अपतटीय संस्थाओं की भी जांच कर रहा है। अब तक, डीजीजीआई ने आईटी अधिनियम के तहत, एमईआईटीवाई के साथ समन्वय में, अवैध/गैर-अनुपालन वाले अपतटीय ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म की 357 वेबसाइट/यूआरएल को ब्लॉक कर दिया है। दो अन्य अलग-अलग मामलों में, डीजीजीआई ने सामूहिक रूप से लगभग 2,400 बैंक खातों को ब्लॉक कर दिया है और लगभग 126 करोड रुपये फ्रीज कर दिए हैं। डीजीजीआई ने लोगों को सतर्क रहने और अपतटीय ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म से जुडने से बचने की सलाह दी है। उक्त बात इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा पूछा गया प्रश्न के जवाब में कही। प्रश्नकाल के दौरान सांसद सुधीर गुप्ता ने ऑनलाइन गेमिंग और बैटिंग प्लेटफार्म पर नियंत्रण और काले धन को वैध बनाने को लेकर लोकसभा में प्रश्न किया उन्होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग से आजकल के युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है और इस पर सरकार द्वारा किस प्रकार से नियंत्रित किया जाता है। उन्होंने कहा कि देश में ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग का नेटवर्क गंभीर रूप ले चुका है और डिजिटल इंडिया फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार इस अवैध उद्योग द्वारा प्रति वर्ष 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर का लेन-देन पार कर लिए जाने का अनुमान है। रिपोर्ट में ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग उद्योग के विरुद्ध संघर्ष के लिए सरकार और गूगल तथा मेटा जैसी बडी टेक कंपनियों के बीच संयुक्त सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग प्लेटफार्म काले धन को वैध बनाने और कई अन्य अवैध गतिविधियों में भी लिप्त हैं और सरकार द्वारा इन प्लेटफार्मों पर लगाम लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए है और ऐसे 600 से अधिक प्लेटफार्म विदेश से संचालित हो रहे हैं और प्रत्यक्ष रूप से जीएसटी की चोरी में संलिप्त हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि , संविधान के अनुच्छेद 162 के साथ अनुच्छेद 246 के प्रावधानों के अनुसार, राज्य विधानसभाओं को सट्टेबाजी और जुआ से संबंधित मामलों पर कानून बनाने का अधिकार है। और यह एक राज्य का विषय है और राज्य पुलिस विभाग इस पर पूरी तरह से कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने वर्ष 2022-25 (फरवरी, 2025 तक) के बीच ऑनलाइन सट्टेबाजी/जुआ/गेमिंग वेबसाइटों (मोबाइल एप्लिकेशन सहित) से संबंधित 1410 अवरोधन निर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने साइबर अपराधों से व्यापक और समन्वित तरीके से निपटने के लिए एलईए को एक ढांचा और पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करने हेतु भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ('आई4सी') की स्थापना की है। गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल भी लॉन्च किया है, ताकि आम जनता साइबर वित्तीय धोखाधड़ी सहित सभी प्रकार के साइबर अपराधों की रिपोर्ट कर सके। इस पोर्टल पर रिपोर्ट की गई साइबर अपराध की घटनाओं को कानून के प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्यवाही के लिए संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की कानून प्रवर्तन एजेंसी को भेजा जाता है। पोर्टल में वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित शिकायतें दर्ज करने के लिए अलग-अलग उपाय हैं। ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने में सहायता के लिए एक टोलफ्री हेल्पलाइन नंबर '1930' शुरू किया गया है। टैक्स को लेकर उन्होंने बताया कि ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र में आयकर लगाने में निश्चितता लाने के लिए, सरकार ने वित्त अधिनियम, 2023 के तहत कर निर्धारण वर्ष 2024-25 से ऑनलाइन गेम में शुद्ध जीत पर तीस प्रतिशत की दर से आयकर लागू किया है। इसके अलावा, सरकार ने 1 अक्टूबर, 2023 से ऑनलाइन गेमिंग पर 28% की दर से जीएसटी लागू किया है। ऑनलाइन मनी गेमिंग के आपूर्तिकर्ता को एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 ('आईजीएसटी अधिनियम') में संदर्भित सरलीकृत पंजीकरण योजना के तहत एकल पंजीकरण प्राप्त करना होगा।

मुख्यमंत्री ने वक्फ संशोधन बिल-2025 के बहुमत से पारित होने पर दी बधाई

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'वक्फ (संशोधन) बिल-2025 के लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में बहुमत से पारित होने पर देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सभी वर्गों के हितों के प्रति संवेदनशील हैं, इसी का परिणाम है कि वक्फ (संशोधन) बिल-2025 लोकसभा और राज्यसभा में बहुमत से पारित हुआ। यह बिल वक्फ संपत्तियों के कुशल प्रबंधन, पारदर्शिता और सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा। साथ ही इस बिल से गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के हितों की रक्षा होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाएं निरंतर सशक्त हो रही हैं। इस दिशा में यह विधेयक मुस्लिम महिलाओं सहित संपूर्ण समाज को और अधिक सशक्त करेगा तथा उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह बिल निश्चित ही डिजिटलीकरण को बढावा देकर वक्फ संपत्तियों में होने वाली वित्तीय गडबडियों और अवैध कब्जों पर लगाम लगाकर राज्यों के वक्फ बोर्ड के राजस्व में वृद्धि करेगा। निश्चित रूप से 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प को साकार करता यह महत्वपूर्ण कदम नए, सशक्त और विकसित भारत की ओर एक नया मील का पत्थर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में यह बिल बहुमत से पारित हुआ। लोकतंत्र के मूल भाव के अनुसार दोनों सदनों के सम्मानीय सदस्यों के बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अभूतपूर्व बिल के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री किरन रिजिजू का आभार माना।

धार्मिक स्थानों की गरिमा बनाए रखने का प्रयास है, शराब बंदी– मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जन भावनाओं का ध्यान रखते हुए धार्मिक स्थानों की पवित्र गरिमा को बनाए रखने के लिये शराब बंदी का प्रयास किया है, इसके लिये शासन ने भले ही राजस्व की हानि स्वीकार की है। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के धार्मिक शहरों में शराबबंदी का निर्णय इसी दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के 17 से अधिक शहरों में शराब बंदी की घोषणा कर उसे क्रियान्वित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल से दतिया रवाना होने से पहले मीडिया को जारी संदेश में यह विचार रखे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुशासन की ओर अग्रसर हो रही हमारी सरकार पर जनता की सेवा और कल्याण के लिए पीताम्बरा माई अपना आशीर्वाद बनाए रखें-यही प्रार्थना है।

सस्ता सोना दिलाने के नाम पर उज्जैन के युवकों से मल्हारगढ़ में गुजरात के व्यक्ति ने की थी 57 लाख की धोखाधड़ी, केस दर्ज, आरोपी फरार

पिपलियामंडी, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सस्ता सोना दिलाने का लालच देकर 57 लाख रुपए हडपकर धोखाधडी करने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। मल्हारगढ थाने पर रवि पिता स्व. चंदनबागडी उम्र 38 साल, जाति माली निवासी-10/5 बडी गुवाडी, उर्दूपुरा, उज्जैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अजीम पिता काराभाई वाफन निवासी निनगाल जिला भुज गुजरात ने सोना सस्ता दिलाने के नाम पर धोखा धडीपूर्वक 57 लाख रूपये की हडप लिए। रवि ने बताया कि मैं करीब 2 साल पूर्व मार्केटिंग का कार्य करता था और मल्हारगढ में किराये से मकान लेकर रहता था। मेरे साथ मेरे दोस्त देवेन्द्र पिता धनसिंह चौहान निवासी भेरूगढ रोड उज्जैन व नितिन पिता बाबूलाल देथरवाल निवासी दादूराम आश्रम के पास भेरूगढ रोड उज्जैन भी रहते थे। यह भी मेरे साथ मार्केटिंग का काम करते थे। जुलाई 2023 के समय मैं व मेरा दोस्त देवेन्द्र चौहान दोनो मल्हारगढ बस स्टेण्ड पर चाय पीने के लिए आये थे, तो वहां पर मेरी मुलाकात निनगाल भुज गुजरात के अजीम पिता कारा भाई वाफन से हुई थी। 10-15 दिनो में अजीम भाई मुझे मल्हारगढ बस स्टेण्ड मिल जाया करते थे। अगस्त 2023 में अजीम भाई मुझे मार्केटिंग का काम करता देख बोले कि तुम ऐसे छोटे काम में क्यों उलझे हो मैं तुमको बढिया काम बताता हू जिससे कम समय में तुम अच्छा पैसा कमा लोगे। मैं तुम्हे गुजरात से सस्ता सोना लाकर दूंगा, जिसे तुम यहां एमपी मे सुनारो की दुकानों पर उन्चें भाव में बेच देना जिससे तुम्हे अच्छा मुनाफा मिलेगा। अभी एक किलो सोना 60 लाख में आ रहा है तो मैं तुम्हे 57 लाख रूपये में ला दूंगा, तुम्हे एक किलो सोने पर 03 लाख का मुनाफा होगा। अजीम ने बोला कि मै यहीं काम करता हूँगुजरात से सस्ता सोना खरीद कर लाता हू और यहां एम पी में उंन्चे भाव में बेच देता हूँ। आज भी मैं मल्हारगढ और मंदसौर में पार्टियो को सोना देने ही आया हूँ। मैं अजीम की बातो में आ गया और मैंने अजीम पर विश्वास कर लिया, मैने अपने दोस्तो, रिश्तेदारों से उधार लेकर 57 लाख अगस्त 2023 में अजीम को दे दिए। अजीम बोला तुम्हे मेरे साथ भुज चलना होगा मैं वहीं पर तुम्हे एक किलो सोना दे दूंगा। मैं अपने दोस्त देवेन्द्र को लेकर अजीम के साथ भुज गया था। भुज में हमे अजीम ने श्याम होटल में रुकवाया था। 2-3 दिन निकल गये तो मैने अजीम से कहा कि सोने का क्या हुआ तो वह आजकल आजकल करता हुआ टालमटोल करने लगा और बोला कि अभी आगे से सोना नहीं आया है और 08 दिन निकल गये। मैने अजीम से कहा कि तुम मेरे पैसे वापस दे दो। तो वह बोला कि तुम मुझ पर विश्वास रखो और अभी वापस मल्हारगढ चले जाओ जैसे ही आगे से सोना मेरे पास आयेगा मैं तुम्हे काल करके बुला लूंगा। हम वापस मल्हारगढ आ गये थे। भुज से आने के बाद मेरी अजीम से लगातार मोबाईल से बातचीत होती रहती थी मैं जब भी अजीम से सोने के बारे में पूछता वह बोलता कि अभी कुछ समस्या आ रही है आगे से सोना नहीं आ रहा है, मुझ पर विश्वास रखो मैं स्वयं आकर सोना दे जाऊंगा। रवि ने रिपोर्ट में बताया मेरी अजीम के मोबाईल नम्बर पर अप्रैल 2024 तक बात हुई थी। करीब पौने दो साल बीत चुके है पर आज तक अजीम ने मुझे सोना लाकर नहीं दिया और न ही मेरे पैसे दे रहा है। इस बीच मैं अपने 57 लाख रूपये वापस लेने के लिये अजीम के पास भुज (गुजरात) कई बार जा चुका हू। मैं अजीम से अपने पैसे मांगता हू तो गालियां देता है व धमकाता है कि अब रुपए मांगे तो मर्डर करा दूंगा। मल्हारगढ टीआई राजेन्द्रकुमार पंवार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धोखाधडी सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

डोडाचूरा तस्कर को 4 वर्ष के सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश महोदय, (एन.डी.पी.एस.) मंदसौर द्वारा आरोपी दिलीप पिता बापूलाल, उम्र 33 वर्ष, व्यवसाय खेती/मजदूरी, निवासी-बडकुआं, थाना मनासा, तहसील मनासा जिला-नीमच को अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्क3री करने के अपराध में दोषी पाते हुए 4 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 25,000 हजार रूपये से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा घटना के संबंध में बताया कि दिनांक 24.06.2018 को थाना मल्हारगढ में पदस्थ स.उ.नि. एम.एल. राठौर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि झार्डा तरफ से एक टैम्पो छोटा हाथी वाहन क्रमांक एमपी 44 जी.ए.-1386 जिसके उपर नीला त्रिपाल बंधा है, साईडों पर परमार मोटर्स बड कुआ लिखा है, जिसमें एक व्यक्ति प्लास्टिक के कट्टों में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा लेकर आने वाला है, उक्त सूचना विश्वनीय होने से झार्डा रोड मनासा पामाखेडा के बीच पुलिया के पास नाकेबंदी की गई कुछ देर बाद मुखबिर सूचना अनुसार एक टेम्पों झार्डा तरफ से आया जिसे फोर्स की मदद से रोका, चालक का नाम-पता पूछने पर उसने अपना नाम दिलीप पिता बापूलाल मेघवाल निवासी बडकुआं थाना मनासा का रहना होना बताया। उक्त टैम्पों की तलाशी लेने पर उसके अंदर 6 प्लास्टिक के सफेद कट्टों में 40 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा होना पाया गया, उक्त मादक पदार्थ परिवहन के संबंध में आरोपी से पूछेजाने पर कोई वैध लाईसेंस न होना बताया मौके पर मय वाहन के उक्त मादक पदार्थ को जप्त किया जाकर अभियुक्त को गिरफ्तार कर थाना वापसी पर अपराध क्रमांक 138/2018 पर धारा 8/15 एन.डी.पी. एस.एक्ट की कायमी की गई। समस्त आवश्यक अनुसंधान पश्चात् अपराध प्रमाणित पाये जाने पर यह अभियोग-पत्र सक्षम विशेष न्यायालय में जाँच/विचारण हेतु प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष अभियोजन द्वारा रखे गये तथ्यों एवं तर्कों सें सहमत होकर माननीय न्यापयालय द्वारा आरोपीगण को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का सफल संचालन विशेष लोक अभियोजक दीपक जमरा द्वारा किया गया।

डा.विजय सिंह पुरावत की हुई पदोन्नति फर्स्ट ऑफिसर से चीफ ऑफिसर बने

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर ट्रुप नंबर 224 के ट्रुप कमांडर फर्स्ट ऑफिसर डॉ विजय सिंह पुरावत (ट्रुप कमांडर) की हुई पदोन्नति, 21 मध्य प्रदेश बटालियन एनसीसी रतलाम के कमान अधिकारी कर्नल संदीप अहलावत (भारतीय सेना), सूबेदार मेजर जयपाल सिंह के द्वारा डॉक्टर विजय सिंह पुरावत को अशोक स्तंभ लगाकर चीफ ऑफिसर के पद पर पदोन्नति की गई यह पदोन्नति, राष्ट्रीय कैडेट कोर नियम, 1948 के अंतर्गत की जाती है, जिसमें विशिष्टनियम और प्रावधान दिए गए हैं। डॉ पुरावत 24 दिसम्बर 2009 में कमीशन प्राप्त किया था, उन्होंने 2009 से एनसीसी अधिकारी के रूप मैं निरंतर 16 वर्षों सें कार्यरत है ऑफीसर ट्रेनिंग अकैडमी नागपुर कामठी से तीन माह का कड़ा प्रशिक्षण प्राप्त कर थर्ड ऑफिसर के रूप में डीजी अवार्ड सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया, डॉ विजय सिंह पुरावत चीफ ऑफिसर पदोन्नति होने पर ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर सौरभ जैन भारतीय सेना, कर्नल संदीप अहलावत, लेफ्टिनेंट कर्नल ज्योति प्रकाश, माउंटेनियरिंग संगठन के संरक्षक डॉक्टर क्षितिज पुरोहित, कुलदीप सिंह सिसोदिया, पदेन अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद (आईपीएस), पदेन उपाध्यक्ष एवं अनुविभागीय अधिकारी शिवलाल शाक्य, पदेन उपाध्यक्ष एवं जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवडा, कार्यकारी

कार्यकारी उपाध्यक्ष सचिन जैन, विश्व मोहन अग्रवाल, राकेश श्रीवास्तव, सहसचिव जेनिश बरडिया, एन सी सी अधिकारी धीरज शुक्ला, यातायात थाना सहायक प्रभारी सूबेदार शैलेंद्र सिंह चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेसा मिंज, परियोजना अधिकारी लोकेंद्र डाबी, साथ ही 21 मध्य प्रदेश बटालियन रतलाम एवं 5 मध्य प्रदेश बटालियन मंदसौर, विद्यालय परिवार द्वारा डॉक्टर पुरावत को चीफ ऑफिसर बनने पर बधाई दी।

शताब्दी वर्ष में प्रकट कार्यक्रम करेगा संघ

मनासा, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को 100 वर्ष पूरे होने जा रहे, अपने शताब्दी वर्ष में संघ विभन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के बीच में स्वयं को प्रदर्शित करेगा, मनासा में 6 अप्रैल रविवार को आर वी कॉलेज मनासा में प्रकट कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है जिसमें संघ शारीरिक प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत अनेकों प्रकार की सामूहिक प्रदर्शनी समाज के सामने एकजुटता दिखाने के उद्देश्य से करेगा, जिसमें पूरे मनासा खण्ड स्वयंसेवक एवं जिले विभाव के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे, संघ ने सम्पूर्ण समाज से आग्रह किया है कि परिवार सहित कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराए।

बसंत शर्मा बने परशुराम जन्मोत्सव समिति संयोजक

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सकल ब्राह्मण समाज के तत्वाधन में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 29 व 30 अप्रैल दो दिवसीय परशुराम जन्मोत्सव मनाने हेतु जिले के समस्त ब्राह्मणजन जनपद पंचायत मंदसौर के परिसर में एकत्रित हुये एवं सकल ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा एवं समस्त वरिष्ठ समाजजनों ने एकमत होकर लोकप्रिय जनप्रतिनिधि जनपद पंचायत अध्यक्ष पं.बसंत शर्मा को आगामी परशुराम जन्मोत्सव के समस्त कार्यक्रमों के लिये संयोजक के रूप में दायित्व सौंपा इसी के साथ समाजजनों ने पं. जितेन्द्र व्यास (परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष) को सहसंयोजक बनाया गया। सभा के दौरान पं. बसंत शर्मा ने परशुराम जन्मोत्सव पर दो दिवसीय आयोजनों में भव्य वाहन रैली और चल समारोह सहभोज के कार्यक्रम की घोषणा की उन्होने यह भी बताया है कि संभवत: परमपूज्य भानपुरा पीठाधीश्वर शंकराचार्य ज्ञानानंद तिर्थ जी भी चल समारोह पश्चात ब्राह्मण समाज के हजारो लोगों को संबोधित करेगें। कार्यक्रम में डॉ.क्षितीज पुरोहित ने पिछले और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा रखकर सभी समाजजनों के विचार प्राप्त कर दर्ज किये। उपरोक्त कार्यक्रम में सर्व श्री पं. जितेन्द्र व्यास, पं. सुनील पंचारिया, पं. रजनीकांत शुक्ला, पं. प्रघुम्न शर्मा, पं. नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी, पं. विनोद तिवारी, पं. कांत वाजपेयी,पं. विश्वास दुबे, पं. विरेन्द्र भटट, पं. हरीशंकर शर्मा,पं. रविन्द्र पांडे ,पं. बसंत शर्मा, पं. अरुण शर्मा,पं. देवेन्द्र पुराणिक पं. दिनेश नागर, पं.डा वीडी पालीवाल, पं.देवेन्द्र कुमार दुबे, पं. क्षितीज पुरोहित, पं. कृष्णवल्लभ शास्त्री, पं. नरेन्द्र (देवा) देराश्री, पं. अजय सिखवाल,पं. हितेश शुक्ला,पं. हेमन्त दिक्षीत, पं. सुरेन्द्र त्रिवेदी, पं. मनोज दुबे, पं. राजेन्द्र पाठक, पं. अनील झॉसीवाले, पं. ललीत भारद्वाज,पं. संतोष कुमार जोशी, पं. निरंजन भारद्वाज, प.अंकुर व्यास, पं. कमलेश कुमार शर्मा, पं. प्रदीप त्रिपाठी, पं. पुष्कर राज शर्मा, पं. आशीष शुक्ला, पं. मनीष त्रिवेदी, पं. विकास तिवारी,पं. जितेन्द्र कुमार पांडे, पं. राजेश प्रधान,पं. विजय शर्मा, पं. पवन शर्मा सहित कई समाज जन उपस्थित रहे एवं महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। यह जानकारी प्रवक्ता पं. राजेश पाठक द्वारा दी गई।

विधायक माधव मारू ने गोपाल कृष्ण धर्मशाला कचेलिया तेली समाज में डोम का किया भूमि पूजन

मनासा, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र में मजब बात होती हैं क्षेत्र में विकास की तो जुबा पर नाम आता है अनिरुद्ध माधव मारू कृष्ण गोपाल धर्मशाला कचेलिया राठौर समाज में डोम लगाने के लिए विधायक माधव मारू ने किया डोम का भूमि पूजन आज बुधवार लगातार दूसरी बार माननीय विधायक महोदय अनिरुद्ध माधव मारू ने क्षेत्र की छोटी हो या बडी समस्याओं हो देखते हुए विकास की और बढते जा रहे हैं आज भी फिर विकास को लेकर बात करें तो विकास की एक नई नीम रखी है भूमि पूजन को लेकर विधि विधान से शुभ मुहूर्त में धर्मशाला में डोम का भूमि पूजन किया कार्यक्रम में विजय शर्मा श्रीमाल व अन्य वरिष्ठजन उपस्थित थे , एक बजे के आसपास गोपाल कृष्ण धर्मशाला धोबी मोहल्ले में स्थित धर्मशाला में डोम का भूमि पूजन करने पधारे जिसमें राठौर समाज द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया , जगदीश किराना, दिनेश अनिल नवीन जगदीश गोपाल जी विष्णु,नवीन, रामस्वरूप आदि समाज जन उपस्थित थे।

नाबालिग को भगा ले जाने के मामले में फरार आरोपी भिंड से गिरफ्तार

पिपलियामंडी, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नाबालिग बालिका को भगा ले जाने के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने भिंड से गिरफ्तार कर लिया। जिसका शुक्रवार को पिपलिया में पुलिस ने पैदल जुलूस निकाला। जानकारी के अनुसार 24 मार्च 2025 को पिपलियामंडी से 14 वर्षीय नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने कदौरा (जालोन, उत्तरप्रदेश) निवासी अतीक खान के खिलाफ केस दर्ज किया था। 26 मार्च को विहिप बजरंग दल ने पुलिस चौकी में ज्ञापन देकर बालिका का अपहरण कर ले जाने की घटना का लव जिहाद की घटना बताते हुए आरोपी तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की थी। 30 मार्च को पुलिस ने भिड से बालिका को दस्तयाब किया। बालिका भिंड में अतीक के जीजा फुरहान उर्फ बाबी खान के घर पर थी। पुलिस ने बॉबी का गिरफ्तार कर लिया था, जिसे जेल भेज दिया था। लेकिन मौके पर बालिका को भगाने वाला अतीक पठान नही मिला था। गुरुवार को पुलिस ने अतीक को भिंड से गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को पुलिस ने नगर में उसका जुलूस निकाला। इधर टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया आरोपी को गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया, जिसे जेल भेजने के आदेश हुए।

दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन में स्वामी अनन्तदेवजी महाराज ने कहा...

संतों का संग ही प्रथम भक्ति के लक्षण

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा में चैत्र नवरात्र महोत्सव के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय श्री वामदेव ज्योतिर्मठ संस्थान वृन्दावन के अनन्त विभूषित परम पूज्यपाद महामण्डलेश्वर स्वामी श्री अनन्तदेवगिरीजी महाराज के प्रतिदिन प्रात: 8.30 बजे से 10 बजे तक दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन हो रहे है।

स्वामीजी ने नवरात्रि के षष्ठम दिवस अपने आशीर्वचन में कहा कि संत उसे कहते है जो हमेशा सम रहता है। संतों का संग ही प्रथम भक्ति के लक्षण है। आपने कहा कि शरीर जैसे-जैसे कमजोर होता है मन संसार में उतना अधिक आसक्त होता जाता है। यही आसक्ति संतों के संग में हो जाये तो जीव मुक्त (धन्य) हो जाता है। आपने कहा कि ज्ञान, कर्म, भक्ति ये तीन ही मार्ग है, जो अपने आपको जानने में मुख्य है। ज्ञान योग-वैराग्यवान ही ज्ञान योग का अधिकारी है। जैसा शरीर है वैसी आत्मा नहीं है यह ज्ञान है। शरीर अपवित्र है, आत्मा शुद्ध है, आत्मा नित्य, शुद्ध, बुद्ध, मुक्त है यही ज्ञान है। स्वामीजी ने कहा कि ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या जीव ब्रह्म नापरा: यही ब्रह्म का स्वरूप है। भगवान से भगवान का नाम बडा है। आपने कहा कि आप जैसा ईश्वर की सृष्टि में दूसरा कोई नहीं। यही सत्य है। स्वामीजी ने कहा कि गोपियों की अभिलाषा है कि नन्दरायजी के बेटे हमें पति रूप में प्राप्त हो यह शास्त्रीय मर्यादा है। पुरुष द्वारा पत्नी प्राप्ति की कामना, स्त्री द्वारा पति प्राप्ति की कामना यह पुण्य कार्य है। लेकिन पुरूष द्वारा स्त्री की चाह या स्त्री द्वारा पुरूष की चाह यह पाप है। यही सनातन संस्कृति की मर्यादा की विशेषता है। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीश सेठिया, गुलाबचंद उदिया, कमल देवडा, संतोष जोशी, रमेशचन्द्र चन्द्रे, आर.सी. पंवार, राजेश तिवारी सहित बडी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

भाजपा स्थापना दिवस, गांव चलो अभियान एवं डॉ.अंबेडकर जी की जयंती को लेकर...

जिले के सभी संगठनात्मक मंडलों की बैठकें सम्पन्न

मंदसौर, 04 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस, गांव चलो अभियान और डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती को लेकर जिले के सभी संगठनात्मक मंडलों में विशेष बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में पार्टी के वरिष्ठपदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान भाजपा स्थापना दिवस (6 अप्रैल) के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। इसके साथ ही, गांव चलो अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी की पहुंच को और मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा हुई। इसके साथ ही डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती (14 अप्रैल) को विशेष रूप से मनाने के लिए विभिन्न सामाजिक और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु कार्ययोजना बनाई गई। बैठक में पार्टी

नेताओं ने बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए समाज में समानता और समरसता बनाए रखने के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर सभी मंडलो में कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न करने हेतु टोलीयॉ बनाई गई। मंडल की बैठको में क्रमश: भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, विधायक हरदीपसिंह डंग, चन्दरसिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया, श्री कैलाश चावला, देवीलाल धाकड, राधेश्याम पाटीदार, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौड, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्यगण अनिल कियावत, डॉ.सुषमा आर्य, भाजपा जिला महामंत्री विजय अठवाल, गणपतसिंह आंजना, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, मानसिंह माछौपुरीया, भाजपा वरिष्ठ नेता मनोहरलाल जैन, भोपालसिंह सिसोदिया, पारस मावर, हिम्मत डांगी, जगदीश परमार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनुप्रिया यादव, भाजपा जिला पदाधिकारीगण शिवराजसिंह राणा, राजेश नामदेव, राजेश पालीवाल, राजेश सेठिया, संजय मुरडिया, हितेश शुक्ला, राजु चावला, अजय तिवारी, नरेन्द्र पाटीदार, राहुल मुजावदिया, नरेश चंदवानी, रणजीतसिंह चौहान, श्यामसिंह चौहान, जितेन्द्रसिंह चौहान आदि ने मंडल अध्यक्षगण उमेश पाटीदार, आदित्य मंगरोलिया, गोकुलसिंह चौहान, सीताराम चारण, महेन्द्र पहाडिया, नीलकमल मेहता, दिलीपसिंह तरनोद, जुझारसिंह गुर्जर, धनसुख पाटीदार, जितेन्द्र बामनिया, महेन्द्रसिंह गौड, राजेश धाकड, भेरूलाल सेन, राकेश पाटीदार, आशीष विजयवर्गीय, विकास सुराणा, गोपाल पाटीदार, नेपालसिंह, अरविंद सारस्वत, विनोद डगवार आदि के साथ मंडलों की बैठक में आगामी कार्यक्रमो की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in